सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 269 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 12 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एक करोड़ 18 लाख के 23 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, नौ महिला माओवादी भी शामिल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों की रणनीति रंग ला रही है। कलेक्टर एलेक्सपाल मेनन के अपहरण में शामिल नक्सली समेत कुल 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने वाले माओवादियों में आठ हार्डकोर इनामी नक्सली शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल एक करोड़ 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में नौ महिलाएं और 14 पुरुष नक्सली हैं। ये सभी डीकेएसजेडसी, पीएलजीए और मिलिशिया जैसे सक्रिय संगठनों से जुड़े थे। पुनर्वास नीति और नियाद नैलानार जैसी योजनाओं से प्रभावित होकर सरेंडर किया है। इस कार्रवाई में जिला पुलिस बल, सीआरपीएफ, एसटीएफ और कोबरा बटालियन समेत कई एजेंसियों की बड़ी भूमिका रही। यह सुकमा में शांति और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में थमी मानसून की रफ्तार, अगले पांच दिन कम होगी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सप्ताह भर लगातार बारिश के बाद मानसून की रफ्तार में ब्रेक लगा है। शुक्रवार को पूरे प्रदेश में सिर्फ 12.2 एमएम पानी ही बरसा। मौसम विभाग की माने तो अगले पांच दिनों तक दुर्ग, रायपुर और बस्तर में बारिश कम होगी। वहीं बिलासपुर और सरगुजा संभाग के जिलों में अगले 4 दिन मध्यम से भारी बारिश होने संभावना है।

बता दें छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 364.1 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 540.3 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 176.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। वहीं मौसम विभाग ने आज (शनिवार) रायपुर, बलौदा-बाजार, जांजगीर-चांपा, बलरामपुर, कोरिया सहित 13 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

देशभर में रोजगार मेले का आयोजन, पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

रायपुर में 72 अभ्यर्थियों को मिली नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली/रायपुर। देशभर के युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देने 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। इस दौरान रायपुर के डब्ल्यू आरएस कॉलोनी के सामुदायिक भवन में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां 72 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी हेतु नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके उपस्थित रहे। साथ ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू एवं रेलवे सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पूरे देश के 47 स्थान पर रोजगार मेला के तहत देशभर के 51हजार से अधिक अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी हेतु नियुक्ति पत्रों का वितरण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इसी कड़ी में रोजगार मेला का आयोजन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल द्वाराकम्युनिटी हॉल (सामुदायिक भवन) डब्लूआरएस कॉलोनी में आयोजित किया। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के 72 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसमें इसमें पोस्ट विभाग, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, रेलवे विभाग में विभिन्न पदों पर जैसे टेक्नीशियन, प्वाइंटस मेन, हेल्पर गार्ड, डॉक्टर, डाक सेवक, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल पदों पर पदस्थ होंगे।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर। पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफसे आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है।

सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया

इस दौरान पीएम मोदी ने युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'। युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

कुएं में दो भाइयों की मौत, गैस रिसाव व ऑक्सीजन की कमी से गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के बेलगहना पुलिस चौकी क्षेत्र में दो भाइयों की मौत हो गई। एक भाई कुएं की सफाई करने उतरा और डूबने लगा तो दूसरा भाई उसे बचाने उतरा। जहरीली गैस के रिसाव ऑक्सीजन की कमी के कारण दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद घर में मातम का माहौल है। वहीं इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस व आसपास क लोग पहुंच गए।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना बेलगहना पुलिस चौकी क्षेत्र के कोटा ब्लॉक के ग्राम पंचायत करही कछार के आश्रित मोहल्ला डीपरापारा में हुई। यहां रहने वाला 35 वर्षीय दिलीप पटेल कुएं की सफाई के लिए उतरा था। सफाई के दौरान वह पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसका सगा भाई दिनेश पटेल भी कुएं में उतर गया। लेकिन ऑक्सीजन की कमी व गैस रिसाव के कारण दोनों भाइयों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दिलीप पटेल जब कुएं में उतरा तो उसे ऑक्सीजन की कमी महसूस हुई और वह खुद को संभाल नहीं पाया और डूबने लगा। इसके बाद उसका भाई उतरा तो उसे भी यही परेशानी हुई।

इस पूरे मामले में बेलगहना चौकी पुलिस ने जहरीली गैस के रिसाव की आशंका जताई है। साथ ही लोगों को कुएं में उतरने से मना किया। इस दौरान पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम ने जांच के बाद सुरक्षा उपकरणों के साथ कुएं में उतरकर दोनों के शव रात 9.30 बजे बाहर निकाला। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और पुलिस ने पहले एक दीया जलाकर रस्सी से कुएं में नीचे उतारा। दीया कुछ दूरी तक जाकर बुझ गया, जिससे कुएं में जहरीली गैस होने की पुष्टि हो गई। इसके बाद ही एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षा उपकरणों के साथ सावधानीपूर्वक रेस्क्यू किया।

पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो, छात्र-छात्रा की मौत नशे में थे कार सवार लड़की-लड़के

अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर हादसा, तीन की हालत गंभीर

अंबिकापुर। सरगुजा के अंबिकापुर में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई, हादसे में 2 की मौत हो गई, 3 लोग गंभीर रूप से घायल है। 11 जुलाई की रात अंबिकापुर-बनारस मेन रोड पर रफ्तार ज्यादा होने के कारण गाड़ी बेकाबू होकर सड़क से उतरी और चठिरमा मोड़ के पास पेड़ में जा घुसी। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है। कार में दो लड़कियां और तीन लड़के सवार थे, सभी नशे में थे। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो सवार सीटों से उछल गए। कार के सामने के दोनों एयरबैग खुल गए, सामने बैठे लोग घायल हुए हैं। कार में पीछे बैठी एक नाबालिग छात्रा और एक युवक की जान गई है। बताया जा रहा है, सभी कॉलेज के स्टूडेंट है। अंबिकापुर से भटगांव जा रहे थे।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने निजी वाहनों की मदद से घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। इनमें एक युवक को महावीर

हॉस्पिटल, तीन को मिशन हॉस्पिटल और एक लड़की को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल किया गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल छात्रा सारिका मिंज (17) की मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मौत हो गई। भिट्ठीकला निवासी सारिका, उर्सूलाइन स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक वह 3 दिन पहले बिना किसी को कुछ बताए घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी थी। वहीं इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल एक युवक की भी मौत हो गई। स्कॉर्पियो चालक सहित तीन अन्य का इलाज किया जा रहा है, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है। घायल- मृतक सभी अंबिकापुर और आसपास के निवासी हैं। दूसरा मृतक जतिन कुमार कुजूर (19) जशपुर के जरिया का रहने वाला था।

अहमदाबाद एयर क्रैश का सच आया सामने, प्रारंभिक रिपोर्ट में कई खुलासे, टेकऑफ के बाद बंद हो गए थे दोनों इंजन

एएआईबी ने पेश की प्रारंभिक रिपोर्ट, जांच में किए यह दावे

अहमदाबाद। 12 जून को एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे के एक बाद इसका सच सामने आया है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा शनिवार को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट में कई अहम खुलासे किए हैं। रिपोर्ट में हादसे की वजह इंजनों के ईंधन का कट ऑफहोना बताया गया है। टेकऑफके बाद ईंधन नहीं पहुंचने के कारण दोनों इंजन बंद हो गए और विमान हादसे का शिकार हो गया।

जांच में रिपोर्ट में बताया गया कि विमान ने 12 जून की दोपहर 1:39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी थी। विमान का आखिरी सिग्नल 190 मीटर (625 फीट) की ऊंचाई पर मिला, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद आया था। ईएएफआर रिकॉर्डिंग 08:09:11 बजे रुकी। इससे पहले लगभग 08:09:05 बजे एक पायलट ने 'मेडे-मेडे' की कॉल भेजी। इस पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने प्रतिक्रिया दी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद विमान सीधे हॉस्टल बिल्डिंग से टकराया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आई यह बातें

- एएआईबी की 15 पन्नों की रिपोर्ट में पता चला है कि टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान के दोनों इंजन अचानक अपने-आप बंद हो गए थे, जिससे विमान क्रैश हो गया।
- विमान के 180 नॉट्स की अधिकतम इंडिकेटेड एयरस्पीड हासिल के तुरंत बाद इंजन-1 और इंजन-2 के फ्यूल कट-ऑफस्विच (जो इंजन को ईंधन भेजते हैं) 'रन' से 'कट ऑफ' की स्थिति में चले गए।
- इस दौरान पायलट सुमित सभरवाल ने अपने को-पायलट क्लाइव कुंदर से सवाल पूछा- तुमने इंजन ईंधन क्यों बंद किया? इसके जवाब में को-पायलट क्लाइव कुंदर ने कहा, मैंने नहीं किया।
- पायलटों ने इंजन को फिर से चालू करने का प्रयास किया। इंजन 1 ने तो फिर से चालू हो गया, लेकिन इंजन 2 फिर से चालू नहीं हो सका। जिसके बाद वह मेडिकल कॉलेज की इमारत से टकरा गया।
- ईएएफआर (विस्तारित एयरफ्रेम उड़ान रिकॉर्डर) डेटा से पता चला कि टक्कर के समय तक थ्रस्ट लीवर आगे (टेकऑफथ्रस्ट) की स्थिति में ही बने रहे। दोनों फ्यूल कंट्रोल स्विच रन स्थिति में पाए गए। रिवर्सर लीवर मुड़े हुए थे, लेकिन स्टोव्ड स्थिति में (नीचे की ओर) थे।
- टेकऑफके कुछ ही पलों बाद सीसीटीवी में देखा गया कि इमरजेंसी पावर सप्लाई सिस्टम- रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) भी सक्रिय हो गया था और यह तभी होता है जब इंजन बंद हो जाएं।
- रिपोर्ट में विमान से पक्षियों के टकराने(बर्ड हिटिंग) की संभावना से इनकार किया गया है। रिपोर्ट में ये भी साफ किया गया है कि फ्यूल में किसी भी तरह की गड़बड़ी के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं।

बेटी की कामयाबी भी हजम नहीं हुई

श्रीकंचनपथ

यही है वह पुरुषवादी मानसिकता जिसके कारण पूरा भारतीय समाज विश्व भर में बदनाम है। यहां बेटी पराया धन होती है। वह धन जो एक पुरुष दान में प्राप्त करता है और दान देकर मुक्त होता है। पुरुष ही नहीं, महिलाओं में भी यही सोच गहरे तक पैठी हुई है। माता-पिता बेटे का आश्रित बनकर जीवन गुजार दें तो समाज कुछ नहीं कहता बल्कि बेटे को श्रवण कुमार बताता है। पर यही काम अगर बेटी करे तो समाज की भ्रुकुटी तन जाती है। बेटी घर का खर्च चलाए तो यही समाज ताने मारता है कि बेटी की कमाई पर माता-पिता ऐश कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही हुआ हरियाणा के गुरुग्राम में। कहने को तो यह शहर दुनिया के बड़े शहरों में शुमार है, यहां की संस्कृति भारतीय मानकों के हिसाब से काफी एडवांस्ड है। यहां के लोगों का रहन-सहन भी देश की तुलना में बेहतर है। पर मानसिकता वही 16वीं सदी की है। गुरुग्राम रईसों का शहर है। दीपक यादव भी अच्छे खासे पैसे वाले हैं। उनकी बेटी राधिका एक अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी है। कुछ समय पहले चोट लग जाने के कारण उसे अपने करियर से हटना पड़ा। उसने एक टेनिस अकादमी खोलने का निर्णय लिया। पिता दीपक यादव ने उसे इसके लिए सवा करोड़ रुपए दिए। राधिका की टेनिस अकादमी अच्छी खासी चलने लगी। इसके साथ ही शुरू हो गया समाज का ताण्डव। लोगों ने दीपक यादव को ताने मारने शुरू कर दिये। जब भी वो लोगों से मिलते तो पहले तो वे राधिका की कामयाबी की बधाई देते और लगे हाथ यह भी कह देते की बेटी की कमाई पर माता-पिता की मौज हो रही है। यही बात दीपक को खलने लगी और उसने महीने भर के भीतर ही अकादमी बंद करने के लिए राधिका पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। राधिका भी इस दौर की लड़की है। उसने दुनिया देखी है। टेनिस उसका पैशन भी था और प्रोफेशन भी। इसलिए उसने साफ इंकार कर दिया। पिछले गुरुवार को बाप बेटी में इसी बात को लेकर तकरार हो गई और दीपक ने राधिका को उस समय गोली मार दी जब वह किचन में नाश्ता तैयार कर रही थी। इसके बाद वह टूटकर बिखर गया। हाथ में पिस्तौल लिये वह वहीं उकड़ू बैठा रह गया। न केवल राधिका का जीवन समाप्त हो गया बल्कि दीपक और उसके परिवार का भविष्य भी खत्म हो गया। जिस समाज के उकसावे पर यह सब हुआ उससे किसी का आंसू तो पोंछा नहीं जाता पर ताना मारना उसे खूब आता है। अच्छा है कि अब इस समाज से लोग बगावत कर रहे हैं। ऐसे परिवारों की अब कमी नहीं जहां सिर्फ बेटियां हैं। बेटियां ही माता-पिता की मुखाग्नि कर रही हैं, दाह संस्कार कर रही हैं। उन्हें धेला भर फर्क नहीं पड़ता कि निकम्मा समाज क्या सोचता है। ऐसे ही लोगों से समाज बदलता है। काश! दीपक भी ऐसा होता।

संपादकीय

सत्ता के साथ अहंकार भी आता है

देश के राज्यों में विधानसभा के चुनाव होते रहते हैं, किसी न किसी राजनीतिक दल को जनता सत्ता सौंपती है। सत्ता अपने आप में बड़ी जिम्मेदारी होती है। जनता के प्रति जिम्मेदारी। इस जिम्मेदारी को वही निबाह सकता है जिसको सत्ता का पद का अहंकार नहीं होता है।सत्ता की सबसे बड़ी बुराई यह होती है कि इसके मिलते ही राजनीतिक दल और उसके ज्यादातर नेताओं को अहंकार हो जाता है कि हम अब सामान्य दल नहीं है, हम अब सामान्य लोग नहीं है, हम तो खास हो गए है। हमारे साथ जनता को खास व्यवहार करना चाहिए, पार्टी के लोगों को खास व्यवहार करना चाहिए। वह चाहते हैं कि सब हमारा सम्मान करें लेकिन वह किसी का सम्मान नहीं करते हैं। सत्ता मिलते ही बहुत सारे लोग भूल जाते हैं कि उनको सत्ता जनता ने सौंपी, वह भूल जाते हैं कि सत्ता उनको मिली है तो पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण। वह जनता से अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं, वह कार्यकर्ताओं से अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं।

> ***"पार्टी के बड़े व अनुभवी लोग होते हैं, वह इस बात को जानते हैं। सत्ता का नशा ही ऐसा होता है कि आदमी को लगता है कि वह सबसे बड़ा है और वह सबका अपमान करता है। अपने क्षेत्र की जनता और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का अपमान करता है।पार्टी के कार्यकर्ता तो उसकी शिकायत पार्टी की बैठकों में करते हैं लेकिन आम जनता किसी से शिकायत नहीं करती है। वह अगले चुनाव में विधायक,मंत्री के साथ ही राजनीतिक दल को हराकर सबक देती है कि जो जनता का सम्मान नहीं करता है जनता भी उसे अपना जनप्रतिनिधि नहीं चुनती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता अपने अनुभव से यह बात जानते हैं, इसलिए भाजपा अपने विधायकों व सांसदों व नेताओं जब भी मौका मिलता है कि इस बात का एहसास दिलाती है कि उसके लिए पार्टी व जनता का सम्मान करना सबसे ज्यादा जरूरी है। पार्टी उसे विधायक, सांसद बनने का मौका देती है और जनता उसे विधायक व सांसद बनाती है।***

यही वजह है कि मैनपाट के प्रशिक्षण शिविर में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने नए व पुराने विधायकों, सासंदों को यह सीख दी है कि जनता व कार्यकर्ताओं के साथ उनका व्यवहार अच्छा होना चाहिए। दोनों से अच्छा व्यवहार नहीं करने का परिणाम विधायक. सांसद की हार तो होती ही है, भाजपा की भी हार होती है। सांसद, विधायक की बदनामी तो होती ही है, पार्टी की छबि भी खराब होती है। मैनपाट के तीन दिन के 12 सत्रों में भाजपा विधायकों व सांसदों को लोक व्यवहार, समय प्रबंधन, व्यक्तित्व कौशल विकास के टिप्स भी दिए गए हैं। राज्य सरकार के लिए तीन साल की कार्ययोजना भी बनाई गई है।सीएम साय ने कहा है कि मैनपाट प्रशिक्षण विधायकों, सांसदों के दायित्व निर्वहन में सहायक सिध्द होगा तो उम्मीद की जा सकती है ऐसा जरूर होगा।

भाजपा की कार्यपध्दति में प्रशिक्षण व अभ्यास की परंपरा है। जब मौका मिलता है नेताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है और उसका अभ्यास करने को कहा जाता है इससे विधायकों व सांसदों को दायित्व निभाने में मदद मिलती है। वह अपनी कार्यशैली को और प्रभावी बना पाते हैं, जनता के सेवा और अच्छे से कर पाते हैं। भाजपा को मालूम है कि वह अपने नेताओं में सामूहिकता की भावना कैसे पैदा कर सकती है, संगठनात्मक समरसता कैस ला सकती है। इसलिए वह ऐसे आयोजन करती है जिसमें सभी एक साथ कुछ दिन रहते हैं, एक दूसरे को समझते हैं। पार्टी के प्रति परिवारबोध गहरा होता है। सबको एहसास दिलाया जाता है कि हमारी पार्टी एक परिवार है। हम सब इस परिवार के हैं, हमें इस परिवार को एकजुट व मजबूत बनाए रखना है।

माना जाता है कि कांग्रेस व भाजपा में यही मूल अंतर है कि भाजपा के लोग पार्टी को एक परिवार समझते हैं और कांग्रेस के लोग पार्टी को किसी परिवार की प्रापर्टी मानते है। इसलिए भाजपा में वह होता है जो पार्टी चाहती है, कांग्रेस में वही होता है जो परिवार चाहता है। कांग्रेस में परिवार चुनाव नहीं जिता पाता है तो पार्टी कमजोर हो जाती है लेकिन भाजपा में पार्टी चुनाव जिताती है, इसलिए पार्टी मजबूत होती जाती है। आज कांग्रेस कमजोर है तो परिवार के कारण, कमजोर है तो भ्रष्ट नेताओं के कारण, जनता का ख्याल नहीं रखने वाले नेताओं के कारण और भाजपा मजबूत है तो पार्टी के कारण अपने ईमानदार नेताओं के कारण, जनसेवी नेताओं के कारण। जनता का ख्याल रखने वाले नेताओं के कारण।

बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

ललित गर्ग

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं।

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नये-नये मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परिदृश्य को दिलचस्प बना दिया है। इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे।

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफहै, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं। बिहार उन शुरुआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए पचास फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन 'माई-बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहाँ महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियाँ अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फअपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है। यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थायी उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी।

हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि महिला आरक्षण सही है, लेकिन रोजगार के अवसर कब हैं? सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से लटकी रहती है, परीक्षा की तारीखें टलती हैं, नियुक्ति पत्र देर से आते हैं, ऐसे में आरक्षण का लाभ कब और किसे मिलेगा? उनकी बातों में सच्चाई भी है, क्योंकि प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और समयबद्धता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी आरक्षण की नीति। यह महिला आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों अर्थात डोमिसाइल महिलाओं के लिए ही होगा। यानी जो महिलाएं राज्य की स्थायी निवासी नहीं हैं, उन्हें इस आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा-उन्हें सामान्य श्रेणी में आवेदन करना होगा। इसलिये इसे केवल घरेलू हितों को साधने वाला प्रत्यक्ष प्रचार माना जा रहा है, जिसमें गैर-स्थायी निवासियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष इस कदम को डोमिसाइल नीति के अनुरूप बताते हुए सवाल उठा रहा है कि क्या इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना नहीं बिगड़ जाएगी?

बिहार में बेरोजगारी चुनावी चर्चा का मुख्य मुद्दा है। युवा खासकर उच्चशिक्षित वर्ग नौकरी की तलाश में है। 35? प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ सरकार ने वेकेंसी क्रिएशन, युवा आयोग गठन, कृषि व सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जैसे उपाय किए है। 2025 के बिहार चुनाव बहुआयामी लड़ाई से परिपूर्ण है, जातिगत समीकरण, युवा और ग्रामीण विकास, मतदाता सूची संशोधन जैसे मुद्दों ने चुनावी माहौल को गहराई दी है। सरकार ने पिछले बजट में 'महिला हाट', 'पिंक बस', 'पिंक टॉयलेट', स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल योजनाएं, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए संबल वित्तीय सहायता जैसी महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं के प्रावधान किये हैं। नीतीश सरकार ने चुनावों को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली राशि में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 400 रुपए की बजाय 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। इस घोषणा के बाद पूरे बिहार में पेंशन के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार लाभार्थियों में हर्ष का माहौल दिखाई दे रहा है।

यह कहना उचित होगा कि बिहार की राजनीति इस बार स्थानीयता, जातिगत समीकरण और सामाजिक कल्याण के मिश्रित आरोपणों के बीच गंभीर मुठभेड़ के दौर से गुजर रही है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि क्या यह रणनीतियाँ सचमुच सतत परिवर्तन की ठोस बुनियाद रखेंगी, या चुनावी भाषण के बाद हवा में खो जाएँगी। नवीनतम ओपिनियन पोल बताते हैं कि एनडीए फिर सत्ता में लौट सकता है, खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच मजबूत समर्थन के चलते। वहीं, महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस, अन्य) जातीय समीकरण (ईबीसी-ओबीसी) का आधार लेकर मुकाबले में है।

साइबर क्राइम के तौर-तरीकों में भी बदलाव

कुमार समीर

समय के साथ साइबर क्राइम करने वालों ने अपने तौर-तरीकों में भी बदलाव किया है। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि इससे कोई नहीं बच सकता। चाहे किसी ने चूक की हो या नहीं। इसकी पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन लोगों ने साइबर क्राइम पुलिस तक को नहीं छोड़ा है। इन लोगों का दुस्साहस देखें कि जूनागढ़ साइबर क्राइम पुलिस की ईमेल आईडी हैक कर बैंक में फ्रीज रकम को अनफ्रीज करने तक की कोशिश की गई। हालांकि इस धोखाधड़ी की योजना तब फेल हो गई जब ईमेल में विषय (सब्जेक्ट) वाला स्थान खाली मिला जिससे बैंक को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

गनीमत रही कि एक छोटी सी चूक के कारण अपराधी पकड़ में आ गया लेकिन ऐसे कई मामले हैं, जिनमें साइबर क्राइम करने वाले सफल रहे हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा का है। यहां फर्जी ईमेल आईडी के जरिए एक अस्पताल के कर्मचारी ने दिल्ली नगर निगम से कैशलेस इलाज के 74.90 लाख रु पये अस्पताल के अकाउंट में डलवाने की बजाय अपने अकाउंट में डलवा लिए। मामला साइबर क्राइम पुलिस के पास है, और वह इसकी जांच कर रही है। ये दो मामले तो बानगी हैं, लेकिन अगर करोड़ों अकाउंट्स के पासवर्ड चोरी कर लिया जाए तो फिर क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाने भर से सिहरन पैदा होने लगेगी कि कहीं हमारे अकाउंट्स का पासवर्ड भी चोरी न हो गया हो। जी हां, इस तरह का एक बड़े डेटा लीक का नया मामला सामने आया है। इसमें लगभग 1600 करोड़ पासवर्ड के लीक होने की बात है, और इसने इसे इतिहास के सबसे बड़े डेटा लीक में से एक बना दिया है।

साइबर न्यूज और फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लीक की वजह से लाखों यूजर्स का पर्सनल डेटा अब रिस्क पर है। इन पासवर्ड्स की मदद से साइबर अपराधी यूजर्स की निजी जानकारी, फोटो, वीडियो और दूसरी जानकारी चुरा सकते हैं यानी फिशिंग स्कैम, डेटा चोरी और अकाउंट्स हैकिंग का खतरा हो सकता है। इस डेटा की मदद से साइबर अपराध के जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। रिसर्चर्स ने इस डेटाबेस को खंगाला है, और इसके 30 डेटासेट की जांच की है। उन्हें करीब 350 करोड़ रिकार्ड मिले हैं, जिनमें कॉरपोरेट और डवलपर प्लेटफार्म, वीपीएन लॉगिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर्स के क्रेडेंशियल शामिल हैं। यह डेटा 2025 की शुरुआत से लेकर आज तक का है।

रिसर्चर्स का दावा है कि ऑनलाइन लीक हुआ यह डेटा साधारण नहीं है। सिक्योरिटी रिसर्चर्स का भी कहना है कि यह इंटरनेट पर पड़ा पुराना डेटा नहीं है। ज्यादातर डेटा नया है जिन्हें..मैलवेयर के जरिए इकट्ठा किया गया है। यह मैलवेयर प्रोग्राम लोगों का डेटा चुपके से चुराता है। चोरी के इस डेटा में यूजरनेम और पासवर्ड होते हैं, जिन्हें मैलवेयर यूजर्स के फोन से चुराकर हैकर को भेजता है। हैकर्स इस डेटा का सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर इन्हें डार्क वेब फोरम पर बेच सकते हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो लीक हुए डेटा में यूजर्स की डिटेल्स इनफार्मेशन हैं, जो अलग-अलग सर्विसेस के लिए हैं। इनमें यूजर्स के ईमेल से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, गूगल और टेलीग्राम तक की डिटेल्स हैं। यहां तक कि इनमें..पर डवलपर्स की अकाउंट्स डिटेल्स और कुछ सरकारी पोर्टल्स की भी जानकारी है। ज्यादातर जानकारी को एक फॉर्मेट में आर्गेनाइज किया गया है, जिसमें वेबसाइट लिंक, इसके बाद यूजरनेम और पासवर्ड लिखा है। इसकी वजह से साइबर अटैकर्स के लिए इनका इस्तेमाल आसान हो जाता है। एक्सपर्ट्स इस लीक को ग्लोबल साइबर क्राइम का ब्ल्यूप्रिंट बता रहे हैं।

इसे देखते हुए ही गूगल ने अपने यूजर्स को सलाह तक दे डाली है। गूगल ने अपने यूजर्स को 2-फैक्टर आथेंटिकेशन..एक्टिव करने की सलाह दी है। साथ ही, उसने अपने यूजर्स को पासवर्ड्स अपडेट करने को भी कहा है। गूगल का यूजर्स को यह भी कहना है कि उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की बेहतर सुरक्षा के लिए ..फीचर का यूज करना चाहिए। पासकी से लॉगइन के लिए बायोमेट्रिक आथेंटिकेशन की जरूरत होती है, जिससे यह डबल सेफ्टी प्रदान करता है यानी आपको तुरंत ही अपना पासवर्ड बदल देना चाहिए। इसके अलावा अपने अकाउंट्स के लिए टू फेक्टर आथेंटिकेशन भी ऑन कर लें और पासवर्ड मैसेज का इस्तेमाल भी करें।

खेती में तकनीकी नवाचार से समृद्धि की ओर बढ़ते नवागढ़ के किसान

खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ के किसान निरंतर नवाचार अपना रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखंड नवागढ़ के ग्राम मुरता निवासी कृषक संतोष साहू पिता बुधारी साहू अपने क्षेत्र के किसानों के लिए एक मिसाल बनकर उभरे हैं। आधुनिक तकनीकों को अपनाकर इन्होंने अपनी खेती को न केवल लाभकारी बनाया, बल्कि अन्य किसानों को भी प्रेरित किया है। श्री साहू विगत दो वर्षों से धान की खेती में पैडी ट्रांसप्लांटर तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं। यह तकनीक खेतों में धान की रोपाई के पारंपरिक तरीकों की तुलना में कहीं अधिक सस्ती, समय की बचत करने वाली और उत्पादन में वृद्धि देने वाली साबित हो रही है।

कम लागत, अधिक लाभ

श्री साहू ने जानकारी दी कि पहले परंपरागत पद्धति से प्रति एकड़ धान रोपाई में 7,000 से 8,000 रुपये की मजदूरी खर्च होती थी। किंतु अब पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन के माध्यम से यही कार्य केवल 400 से 500 रुपये प्रति एकड़ में संपन्न हो जाता है। इससे न केवल उत्पादन लागत में भारी कमी आई है, बल्कि काम की गति और गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

उत्पादन में बढ़ोतरी और रोग नियंत्रण में मदद

पैडी ट्रांसप्लांटर तकनीक के जरिए रोपी गई धान की फसल में पौधों की समान दूरी और बेहतर रोपाई होने के कारण पौधे मजबूत और स्वस्थ बनते हैं। परिणामस्वरूप, फसल में कीट एवं रोगों का प्रकोप कम होता है और उपज अधिक प्राप्त होती है। श्री साहू ने बताया कि इस तकनीक से उन्हें अपेक्षाकृत बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है। अन्य किसानों के लिए भी कर रहे सहयोग

सिर्फ अपने खेत तक सीमित न रहते हुए संतोष साहू आसपास के किसानों की फसलों में भी पैडी ट्रांसप्लांटर से रोपाई का कार्य कर उन्हें लाभान्वित कर रहे हैं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने में भी मददगार सिद्ध हो रही है।

फसल प्रदर्शन योजना का भी उठा रहे लाभ

श्री साहू छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित फसल प्रदर्शन योजना के तहत भी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत उन्नत तकनीकों और बीजों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे किसान वैज्ञानिक तरीकों से खेती कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। इस प्रकार नवाचार की राह पर अग्रसर होते ग्राम मुड़ता के संतोष साहू जैसे किसान यह सिद्ध कर रहे हैं कि यदि खेती में समय के साथ बदलाव और तकनीक को अपनाया जाए, तो कृषि एक सफल, लाभकारी और आधुनिक व्यवसाय बन सकता है। ऐसे प्रगतिशील किसान छत्तीसगढ़ की कृषि के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख रहे हैं और अन्य कृषकों के लिए एक प्रेरणा बन रहे हैं।

चारधाम में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त बहुत चिंताजनक स्थिति

सुरेश भाई

मनुष्य अपनी यात्रा को आरामदायक और जल्दी पूरा करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल बड़ी तेजी से कर रहा है। आजकल मध्य हिमालय की देवभूमि उत्तराखंड स्थित चारधाम के दर्शन करने पहुंच रहे यात्री भी हेली सेवाओं के उपयोग करने में पीछे नहीं हैं।

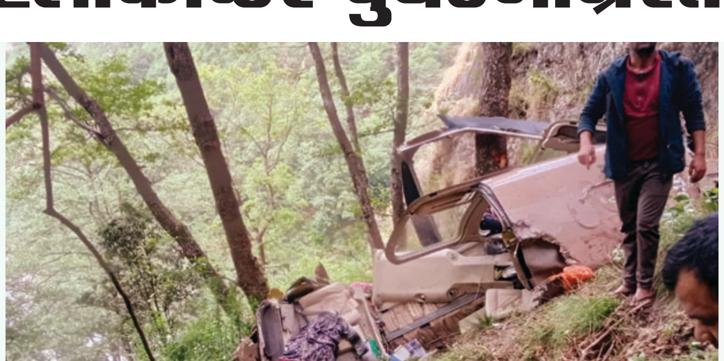

अनेक कंपनियों के हेलीकॉप्टर यहां बड़ी संख्या में उड़ान भर रहे हैं, जिनके लिए गाइडलाइंस बनाई गई हैं। बावजूद इसके यात्रा शुरू होने के पिछले 40 दिनों में पांच हेलीकॉप्टर क्रैश हो गए हैं, अनेक तीर्थ यात्रियों की जान गई है।

इस उच्च हिमालयी क्षेत्र की संकरी घाटियों और ऊंचे-ऊंजे पर्वतों के बीच से गुजर रहे हेलीकॉप्टर्स पहले भी दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। अंधाधुंध उड़ानें और उनकी तेज आवाज हिमालय की पारिस्थितिकी पर विपरीत प्रभाव डाल रही हैं। हेलीकॉप्टरों की उड़ान के लिए मंदाकिनी नदी के तट से 600 मीटर की ऊंचाई तक का मानक है। यात्रियों की सुरक्षा के विषय पर भी विशेष सावधानी बरतने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट से उच्च हिमालयी क्षेत्रों की जैव-विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा भी इस हिमालय क्षेत्र में उड़ानों के संबंध में सुझाव दिए गए हैं, जिन्हें केदारनाथ की हेली सेवाओं की गाइडलाइंस में शामिल किया गया है। यहां एक बार में दो हेलीकॉप्टर ही आना-जाना कर सकते हैं। सायं के समय की उड़ान पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद यहां पर स्थित दुर्लभ वन्य जीव हिम तेंदुए, कस्तूरी मृग, भरड़, भालू, मोनाल समेत अनेक वन्य जीवों व पक्षियों के झुंड के बीच नीची उड़ान के कारण भगदड़ मच जाती है, जिस कारण असुरक्षित दिशा में भागने से इन बेजुबान जानवरों की चट्टानों से गिर कर मौत हो जाती है। वन विभाग भी इस बाबत चेतावनी देता रहता है, लेकिन जीव-जंतुओं का जान गंवाना जारी है।

चिंताजनक है कि हजारों हैक्टेयर में फैले केदारनाथ अभयारण्य, गंगोत्री वन्य जीव पार्क के जीव-जंतु सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हेलीकॉप्टरों की नीची उड़ान के कारण वन्यजीवों के सहवास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण उनकी संख्या भी घट सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नीची उड़ान के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की दर भी बढ़ सकती है जबकि पर्यटकों और सैलानियों के सैर-सपाटे लिए ओम पर्वत जैसे ग्लेशियरों के ऊपर भी उड़ानें भरी जा रही हैं। अनियंत्रित पर्यटकों की आवाजाही इसका सबसे बड़ा कारण है क्योंकि बहुत समय से अनुभव किया जा रहा है कि चारधाम के यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए जब-जब राज्य सरकार और पर्यावरणविद् पहल करते हैं, तो स्थानीय स्तर पर पर्यटन से आय प्राप्त करने वाले संस्थान विरोध पर उतारू हो जाते हैं।

मध्य हिमालय में पहुंच रहे पर्यटक कम पैसे, कम समय में आरामदायक दर्शन करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में में सावधानी के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का इस्तेमाल नहीं होता है तो उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर की क्रैश होने की घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा। लापरवाही और मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं हो रही हैं। अंधाधुंध हेली सेवाओं के ऊपर विशेष जांच और मॉनिटरिंग की आवश्यकता है जिसमें तकनीक आदि को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। मौसम विभाग की अधिकतर सूचनाएं सही साबित हो रही हैं। इसको भी ध्यान में रख कर उड़ानों पर नियंत्रण हो।

चारधाम में मई और जून के महीने में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने बहुत चिंताजनक स्थिति खड़ी की है जिसमें सबसे पहले 8 मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोग मारे गए थे जिसके चार दिन बाद बद्रीनाथ से लौट रहा एक अन्य हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 17 मई को एम्स की हेली एंबुलेंस किसी यात्री को लिफ्ट करने केदारनाथ जा रही थी, लेकिन क्रैश हो गई। 8 जून को केदारनाथ जाने वाला एक और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा है एक हेलीकॉप्टर गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सात लोगों की जान चली गई।

दूसरी ओर देखा जाए तो केंद्र सरकार ने चारधाम के लिए चौड़ी सड़कों का निर्माण लगभग पूरा कर दिया है, और इसमें दो बड़ी गाड़ियों के लिए आने- जाने की सुविधा है। जितने अधिक से अधिक लोग बस, टैक्सी और जमीन पर चलने वाले वाहनों से यात्रा करेंगे उससे स्थानीय होटल और ढाबों को भी रोजगार मिलेगा। पर्यटकों, यात्रियों, सैलानियों को भी यहां की प्रकृति का नजारा देखने को मिलेगा। बाहर से आने वाले लोगों की मुलाकात स्थानीय लोगों से होगी, वे यहां की संस्कृति और प्रकृति के साथ अनुकूल व्यवहार भी करेंगे। उत्तराखंड हिमालय की संवेदनशील स्थिति और यहां के पर्यावरण से प्लास्टिक उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए बाहर से आने वाले लोगों की जिंदगी को बचाने के साथ ही हिमालय के इकोसिस्टम को भी बचा कर रखना होगा।

सु-विचार

जो हो गया उसे सोचा नही करते, जो मिल गया उसे खोया नहीं करते सफलता भी उन्ही को मिलती है जो हालातों पे रोया नहीं करते।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

कलेक्टर ने मत्स्य प्रक्षेत्र देवरी का किया निरीक्षण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज जिले के धमधा विकासखण्ड अंतर्गत स्थित मत्स्य बीज प्रक्षेत्र देवरी में मत्स्य बीज उत्पादन कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा योजना अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग को प्राप्त कार्य क्रमशः मत्स्य बीज प्रक्षेत्र देवरी में समुदाय के लिए जल संचय तालाब का नवीनीकरण एवं स्टोन पीचिंग कार्य, समुदाय के लिए डब्ल्यूबीएम रोड का निर्माण कार्य तथा समुदाय के लिए संघ भवन निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस अवसर पर मत्स्य पालन विभाग के उप संचालक सीमा चन्द्रवंशी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। प्रक्षेत्र प्रभारी सहायक मत्स्य अधिकारी गिरिश कुमार वर्मा ने अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले को स्पॉन उत्पादन हेतु 400 लाख का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लक्ष्य पूर्ति हेतु कार्य जारी है। वर्तमान में जिले में 110 मत्स्य सहकारी समितियां कार्यरत् है। मछुआ सहकारी समिति, मछुवा समूह एवं निजी मत्स्य कृषकों को माह जुलाई अग्रिम पाक्षिक माह से 50 प्रतिशत अनुदान में प्राई एवं फिंगररिन मत्स्य बीज का वितरण किया जाएगा। कलेक्टर सिंह को उप संचालक मत्स्य चन्द्रवंशी ने मत्स्य बीज उत्पादन हैचरी, इन्क्यूबेशन पूल, स्पॉनिंग पूल, संवर्धन पोखर एवं प्रजनक पोखर में मछली पालन से संबंधित कार्य के विषय में अवगत कराया।

एकीकृत किसान पोर्टल में 31 अक्टूबर के पूर्व पंजीयन अनिवार्य

दुर्ग। खरीफवर्ष 2025 से कृषक उन्नति योजना में धान के साथ-साथ फसल विविधिकरण प्रोत्साहन के तहत् दलहन-तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार तथा इनके उत्पादन में आत्मनिर्भता के लक्ष्य के साथ योजनान्तर्गत विहित अन्य फसलों पर आदान सहायता राशि दिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे धान के अतिरिक्त दलहन-तिलहन, मक्का, लघु धान्य फसलें (कोदो, कुटकी, रागी) एवं कपास फसल लेने वाले कृषकों को 10 हजार रू प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जायेगी। इसके अतिरिक्त विगत खरीफ में एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत ऐसे कृषक जिन्होंने धान की फसल लगाई हो तथा प्रदेश की सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया हो, हेतु एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन तथा गिरदावरी में रकबे की पुष्टि उपरांत 11 हजार रू. प्रति एकड़ की दर से आदान सामग्री का भुगतान किया जाएगा। 31 अक्टूबर 2025 के पूर्व संबंधित सहकारी समिति के माध्यम से एकीकृत किसान पोर्टल में अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से कराये।

मैनपाट प्रशिक्षण से लौटे विधायक रिकेश ने कार्यकर्ताओं से की टिफिन पर चर्चा कहा - अब वार्ड स्तर पर होगा यह कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी में छत्तीसगढ़ के विधायक, सांसद, मंत्रियों के मैनपाट में सम्पन्न हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का असर वैशाली नगर विधानसभा में दिखाई देने लगा है। प्रशिक्षण से लौटे विधायक रिकेश सेन ने भिलाई भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ टिफिन पर चर्चा कर कनिष्ठ कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।

टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम में विधायक ने पार्टी के संबंध में जानकारी देते हुए अनुशासन, क्षेत्र में जनता से सम्पर्क और सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की बात कही। श्री सेन ने बताया कि अप्रैल महीने से प्रारंभ स्कूटी से वार्ड तक पहुंचने के अभियान में अब संबंधित वार्ड के भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल हों तथा इस दौरान वार्ड के लोगों को भी टिफिन के साथ आमंत्रित कर सामूहिक चर्चा करते हुए क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी लेकर उनके समाधान हेतु प्रयास करेंगे।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि हम सभी को गर्व है कि हम विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सिपाही हैं तथा हमारी पार्टी भाजपा में अनुशासन का बड़ा महत्व है। भाजपा का लक्ष्य सदैव देश के हर कोने में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का रहा है। इस पार्टी में हम सभी अपने आपको एक बड़े परिवार का सदस्य मानते हैं। इसलिए यही पारिवारिक फिलिंग हमें अपने क्षेत्र के हर व्यक्ति तक पहुंचानी है।

वार्ड स्तर पर टिफिन पर चर्चा के आयोजनों से संबंधित क्षेत्र के लोग पारिवारिक सदस्य की तरह शामिल होकर अपना सुख दुःख एक-दूसरे से शेयर कर सकेंगे। वैशाली नगर विधानसभा में सुपेला, कैम्प, वैशाली नगर तथा कोहका सहित कुल 4 मंडल हैं जिनमें टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम वार्ड स्तर तक आयोजित कर हमें सभी के बीच पहुंचना है जिसमें कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जिलाध्यक्ष पुरषोत्तम देवांगन ने भी भाजपा की रीति नीति और संगठन गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं को टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिस तरह विधायक श्री सेन ने प्रशिक्षण के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिले दिशा निर्देश को सभी के बीच शेयर किया उसी तरह मंडल स्तर पर बैठक कर कनिष्ठ और सक्रिय कार्यकर्ताओं तक टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम की रूपरेखा पहुंचानी है।

टिफिन पर चर्चा कार्यक्रम में विधानसभा स्तर पर सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं ने अपने घर से टिफिन लेकर बैठक में पहुंचे और विधायक तथा जिलाध्यक्ष द्वारा दिए गए टिप्स को भोजन करते हुए ग्रहण किया। त्रिलोचन सिंह, मनोज तिवारी, विजय शुक्ला, मंडल अध्यक्ष वैशाली नगर शशि भगत, कैम्प तरूण सिंह, कोहका गोपाल साहू, मुखविंदर सिंह, नंदकिशोर टंडन, मनीष सिंह, वेणुगोपाल, मोहनलाल कुकरेजा, दिनेश साहू, पवन सिंह, सूर्यकांत बघेल, आलोक जैन, दिनेश चुरहे, मुरलीधर गुलहने, अंकुर शर्मा, दविंदर सिंह, विनय सेन, अवतार सिंह, सतबीर सिंह, अर्पित तिवारी, संजय सिंह राठौर, कुबेर शर्मा, शिवम चौहान, रवि राजपूत, गुंजन देवांगन, गुरमीत सिंह गिल, राजवीर सिंह, आसिफ हर्षित चौकसे, रमाकांत गुप्ता, हरविंदर सिंह, जसकेतन तांडी, संजय साहू, गुरचरण बग्गा, सुरेश सिंह, अखिलेश सिंह, विवेकानंद सेन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक ललित चंद्राकर ने मकान बनाने 90 को सौंपा अनुमति पत्र, 33 को मिला अपना घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली निगम क्षेत्र के मोर जमीन मोर मकान योजना के तहत 90 लोगों को मकान बनाने अनुमति पत्र सौंपा। वही 33 लोगों ने विधायक और महापौर शशि सिन्हा की उपस्थिति में लॉटरी निकाल कर प्रधानमंत्री आवास को अपने नाम किया। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री आवास लेने कई हितग्राहियों ने पिता, पत्नी, बेटे-बेटी के हाथों लॉटरी पर्ची निकलवाया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि आवास योजना को पूरी तरह पारदर्शी रखा गया है। प्रत्येक व्यक्ति को रोटी, कपड़ा और मकान की आवश्यकता है। हर इंसान को खुद के घर का सपना होता है। प्रदेश की साय सरकार सपना को पूरा करने कटिबद्ध है। देश के प्रधानमंत्री स्वयं को प्रधान सेवक मानते दृढ़ संकल्प लिया है कि नागरिक कच्चे मकान में नहीं बल्कि खुद के मकान में रहेंगे। मोदी जी के संकल्प और आप सभी को घर की सुविधा देने योजना को पूर्णरूप से पारदर्शी रखा गया है। उन्होंने आवास के नाम पर अधिकारी-कर्मचारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने पर तत्काल सूचना देने भी कहा। महापौर शशि सिन्हा और नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने भी हितग्राहियों को आवास मिलने पर बधाई दी। लॉटरी प्रक्रिया में एमआईसी अनिल देशमुख, रंजीता बेनुआ, रोहित धनकर, पार्षद रमा साहू, मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत आयुक्त मोनिका वर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रपाल हरमुख ने किया।

249 का लॉटरी शेष

उल्लेखनीय है कि प्रदिसी नगर में कुल 348 और लक्ष्मीनगर में 36 मकान निर्माणाधीन है। इसमें से क्रमशः 72 और 17 आवास का आवंटन किया जा चुका है। शुक्रवार को प्रदिसि नगर के 27 और लक्ष्मीनगर में 6 आवास का आवंटन किया गया।

90 को दिया अनुमति पत्र

मोर जमीन मोर मकान योजना के तहत दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने 90 लोगों को योजना के तहत भवन निर्माण अनुमति पत्र का वितरण किया। खास बात यह है कि यह पहला निकाय है जो हितग्राहियों को ग्लासी पेपर में लेमिनेट कर अनुबंध पत्र दिया है।

ठेका श्रमिकों के लिए सुरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के उपयोगिताएं संगठन द्वारा ठेका श्रमिक सुरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन संयंत्र परिसर स्थित वर्क्स बिल्डिंग-3 सभागार में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निषमन सेवाएं-एसईडी) डी. सतपथी के मुख्य आतिथ्य में कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने, सतर्कता बरतने एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले श्रमिकों को सम्मानित व प्रेरित करने के लिए किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक जे. पी. सिंह ने की। समारोह में कुल 10 ठेका कर्मियों को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना तथा उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदर्शन करने वाले श्रमिकों को सम्मानित करना था। इस अवसर पर ठेका श्रमिकों को तीन श्रेणियों सुरक्षा सर्वोत्तम, सुरक्षा अनमोल तथा सुरक्षा दक्ष श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया जिसके अंतर्गत सुरक्षा सर्वोत्तम से 02 श्रमिक को, सुरक्षा अनमोल से 02 श्रमिक और सुरक्षा दक्ष से 06 श्रमिकों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक एम. वी. बाबू, महाप्रबंधक एस. के. बेहरा, महाप्रबंधक नदीम खान सहित उपयोगिताएं संगठन के विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे। उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सुरक्षा पुरस्कार पहल की सराहना की।

उन्होंने संयंत्र में 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने और सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया।

बीएसपी के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में विश्व जनसंख्या दिवस 2025 का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सेक्टर-9 में 11 जुलाई 2025 को विष्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जेएलएन चिकित्सालय में इस वर्ष विष्व जनसंख्या दिवस सुनियोजित अभिभावकत्व के लिए गर्भधारण के समय और अंतराल का स्वस्थ निर्धारण थीम पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. एम. रविंद्रनाथ एवं विशिष्ट अतिथिगण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. सौरभ मुखर्जी एवं डॉ. उदय कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके पश्चात डॉ. एम. रविंद्रनाथ ने फीता काटकर पोस्टर एवं स्लोगन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जनसंख्या वृद्धि से संबंधित जागरूकता पर आधारित एक विशेष पैम्फलेट का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में पी.जी. कॉलेज ऑफनर्सिंग, श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया गया। इन पोस्टरों में जनसंख्या नियंत्रण से जुड़े तथ्य, समाधान और सामाजिक संदेशों को कलात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया था।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ.रविंद्रनाथ ने कहा कि, 'जनसंख्या वृद्धि देश और विष्व के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जब तक हम सभी नागरिक इस मुद्दे पर जागरूक नहीं होंगे, तब तक कोई भी नीति या कार्यक्रम प्रभावशाली रूप से क्रियान्वित नही हो पाएगी। आज का यह आयोजन उसी जन-जागरूकता की दिशा में एक ठोस पहल है'।

इसके उपरांत चिकित्सालय के डीएनबी चिकित्सकों -डॉ. अर्चिता, डॉ. सोनाली, डॉ. अन्नपूर्णा, डॉ. तान्या, डॉ. गीता, डॉ. साधिर, डॉ. श्रद्धा, डॉ. पारुल और डॉ. आकाश द्वारा जनसंख्या जागरूकता विषय पर एक प्रभावशाली स्किट और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने अत्यंत सराहा।

इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस हॉल में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें जेएलएन चिकित्सालय, नर्सिंग कॉलेज और अन्य विभागों से बड़ी संख्या में चिकित्सकों, नर्सों एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने भाग लिया। इसी क्रम में पोस्टर एवं स्लोगन प्रदर्शनी, क्विज़ प्रतियोगिता विजेताओं और स्किट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण डॉ. नीना गुहा ने प्रस्तुत किया एवं जनसंख्या नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

मानसून में डेंगू के रोकथाम हेतु बीएसपी का अभियान जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मानसून के आगमन के साथ ही जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। इन बीमारियों की रोकथाम और नागरिकों को जागरूक करने की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र का नगर सेवाएं विभाग और जनस्वास्थ्य विभाग सतत रूप से प्रयासरत है। डेंगू, मलेरिया, टायफाइड एवं दस्त जैसी दूषित जल एवं मच्छरजनित बीमारियों से बचाव हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत व्यापक सर्वेक्षण, निरीक्षण, दवाइयों का वितरण एवं कीटनाशक छिड़काव जैसे बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं ताकि शहरवासियों को स्वच्छता एवं सतर्कता के प्रति जागरूक किया जा सके।

इस अभियान के तहत 27 जून 2025 से 11 जुलाई 2025 तक इस्पात नगरी के विभिन्न सेक्टरों में कुल 37251 आवासों का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण किया गया।

उल्लेखनीय है कि उक्त अवधि में इस्पात नगरी के विभिन्न सेक्टरों में किये गये मकानों के सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत कुल 26682 कूलरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 3906 कूलरों को खाली कराया गया। कुल 2979 टंकियों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 730 टंकियों को खाली कराया गया। इसके अतिरिक्त 4783 कंटेनरों, 764 टायरों का निरीक्षण कर उन्हें खाली कर उनकी सफाई व कीटनाशकों का छिड़काव आदि किया गया है। साथ ही 7184 पानी के अन्य पात्रों का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें से 5558 पात्रों को खाली कराया गया। 14931 घरों में टेमिफॉस का वितरण तथा 3500 घरों में छिड़काव किया गया। 15 दिनों से चल रहे इस अभियान के अंतर्गत कुल 3984 घरों में लार्वा पाए गए, जिन्हें नष्ट कराकर आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया गया।

इस अभियान के तहत, 11 जुलाई 2025 को इस्पात नगरी के सेक्टर-1 में कुल 1955 आवासों का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण किया गया। कुल 1416 कूलरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 226 कूलरों को खाली कराया गया। कुल 174 टंकियों का निरीक्षण किया गया, जिसमे से 55 टंकियों को खाली कराया गया। इसके अतिरिक्त 208 कंटेनरों, 38 टायरों का निरीक्षण कर उन्हें खाली कर उनकी सफाई व कीटनाशकों का छिड़काव आदि किया गया है। साथ ही 449 पानी के अन्य पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 406 पात्रों को खाली कराया गया। 922 घरों में टेमिफॉस का वितरण तथा 266 घरों में कीटनाशक का स्प्रे किया गया।

10 जुलाई 2024 को इस्पात नगरी के सेक्टर-1, 2 4, 6 में कुल 3671 आवासों का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण किया गया। कुल 2803 कूलरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 612 कूलरों को खाली कराया गया। कुल 338 टंकियों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 77 टंकियों को खाली कराया गया।

इसके अतिरिक्त 581 कंटेनरों, 71 टायरों का निरीक्षण कर उन्हें खाली कर उनकी सफाई व कीटनाशक का छिड़काव आदि किया गया है। 773 पानी के अन्य पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिसमे से 619 पात्रों को खाली कराया गया। 1477 घरों में टेमिफॉस का वितरण तथा 489 घरों में कीटनाशक का छिड़काव किया गया। नगर सेवाएं विभाग ने सभी शहरवासियों से अपील कि है कि डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। डेंगू से बचने के लिए सावधानी ही सुरक्षा है, अतः डेंगू से बचाव के उपायों को अवश्य अपनाएं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16-20-22-24-32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्यपाल ने किया छग लोक आयोग के 23वें वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने गुरुवार को राजभवन में छत्तीसगढ़ लोक आयोग, रायपुर के 23वें वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2024-25) का विमोचन किया। आयोग के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति आई.एस. उबोवेजा ने प्रतिवेदन को राजभवन में राज्यपाल को औपचारिक रूप से भेंट किया।

इस अवसर पर लोक आयोग कार्यालय, रायपुर के विधि सलाहकार अजीत कुमार राजभानु, उपसचिव के.पी. सिंह भदौरिया, तकनीकी सलाहकार राकेश पुराम तथा निज सचिव राजेश कुमार गजेन्द्र भी उपस्थित थे।

खाद आपूर्ति को लेकर जिले में नहीं कोई समस्या, समिति से किसानों को मिल रहा पर्याप्त खाद

रायपुर। जिले में खेती-किसानी का कार्य पूरे जोर पर है। समय पर वर्षा और प्रशासन की बेहतर व्यवस्थाओं के चलते किसान इस बार बेहतर उत्पादन की उम्मीद में उत्साहित नजर आ रहे हैं। जिले की सहकारी समितियों में खाद का पर्याप्त भंडारण किया गया है, जिससे कृषकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा।

खाद की नियमित और सुचारू आपूर्ति से कृषकों में उत्साह का माहौल है। ग्राम बड़गांव, विकासखंड आरंग के कृषक बिसराम निषाद ने बताया कि इस बार बारिश समय पर हो रही है और चन्द्रखुरी सहकारी समिति से हमें समय पर खाद मिल रहा है। मैंने 10 बोरा डीएपी और 12 बोरा यूरिया लेकर खेती शुरू कर दी है। समिति की व्यवस्था बहुत अच्छी है और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा, प्रशासन की ओर से की गई तैयारियां सराहनीय हैं। मैं हमारे किसान के हितों के लिए कार्य करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने किसानों के लिए समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की।

गीत, कविता, भाषणों से गुरु की महिमा का किया गया वर्णन

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चिचोली गाँव (तिल्दा ब्लॉक) की पूर्व माध्यमिक शाला में अदाणी फाउंडेशन रायखेड़ा द्वारा एक भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 150 से अधिक विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में गुरु वंदना, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की वंदना से हुई, जिसके बाद छात्रों ने अपने गुरुजनों व माता-पिता के चरण धोकर, पुष्प व श्रीफल अर्पित कर सम्मान प्रकट किया। गीत, कविता और भाषणों के माध्यम से गुरु की महिमा को सराहा गया। इस आयोजन ने न सिर्फ बच्चों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ा, बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों और आत्मबल का संचार भी किया।

16 एस्केलेटर व 42 लिफ्ट के साथ स्टेशन में यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में विस्तार करने और स्टेशन पर हो रहे विकास कार्यों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को स्टेशन उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के साथ मुख्य स्टेशन प्रबंधक एवं मुख्य वाणिज्य निरीक्षक और अन्य स्टेशन सुपरवाइजर्स की बैठक हुई। इस बैठक में समिति सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। बैठक में समिति ने सीनियर सिटीजन यात्रियों के लिए स्टेशन पर लिफ्ट और ट्रेनों में अलग कोच की व्यवस्था करने का सुझाव दिया।

उल्लेखनीय है कि रायपुर रेलवे स्टेशन पर कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। यहां यात्रियों की सुविधा के लिए अमृत भारत योजना के तहत 16 एस्केलेटर 42 लिफ्ट भी लगाई जाएंगी। इससे यात्रियों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक आने-जाने में सुविधा होगी। यात्री सुविधा में और विस्तार को लेकर स्टेशन उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की बैठक में इससे संबंधित मामलों पर चर्चा हुई। बैठक में रेलवे स्टेशन रायपुर के मुख्य स्टेशन प्रबंधक व मुख्य वाणिज्य निरीक्षक और स्टेशन सुपरवाइजर्स भी मौजूद थे।

रायपुर रेलवे स्टेशन की सुविधाओं को लेकर बैठक

बैठक में सबसे पहले मुख्य स्टेशन प्रबंधक ने रेलवे के विषय में सभी को जानकारी दी एवं यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं और भविष्य में और कई सुविधाएं प्रदान के विषय में बताया साथ ही मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ने भी मिलने वाली सुविधा से अवगत कराया। उसके बाद सभी सदस्यों ने अपने -अपने सुझाव रखे। जिससे कि रायपुर रेलवे स्टेशन यात्रियों को और अधिक सुविधा प्रदान की जा सके।

समिति ने बताया कि कुछ गाड़ियां जैसे वंदे भारत के समय परिवर्तन करने से नागपुर से कानपुर की वंदे भारत ट्रेन मिल सके इस पर चर्चा सामने आई की कानपुर के लिए ट्रेन में उपलब्ध है कानपुर जाने वाले पैसेंजरों के आधार पर आकलन कर रिपोर्ट बनाई जाएगी। अभी जो रेलवे का अपग्रेडेशन काम चल रहा है, सभी सेफ्टी को ध्यान में रख कर कार्य हो इस पर चर्चा में सामने आया की जिससे यात्रियों को दिक्कत न हो संरक्षा मापदंडों को रखते हुए कार्य करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया है।

महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को मिलेगी राहत

समिति ने सुझाव दिया कि 65 उम्र से अधिक वाले यात्रियों के लिए, लिफ्ट एवं गाड़ी में अलग से कोच की व्यवस्था होनी चाहिए। इस पर चर्चा में सामने आया की रायपुर स्टेशन पर भी डेवलपमेंट का कार्य चल रहा है एवं आने वाले समय में 42 लिफ्ट एवं 16 एस्केलेटर लगने वाले हैं। जिससे महिलाओं बुजुर्गों को एवं दिव्यांगजन को राहत मिलेगी।

स्टेशन के बाहर ट्रैफिक सुधार के विषय में हुई चर्चा

समिति ने सुझाव दिया कि स्टेशन के बाहर ट्रैफिक सुधार के विषय में बोला गया, जिससे गाड़ी पकड़ने आने वाले यात्रियों को दिक्कत न आए। इस विषय पर चर्चा में सामने आया कि स्टेशन परिसर में कहीं भी रुकावट नहीं आती है। मुख्य चौक पर ही जाम की स्थिति निर्मित होती है यह मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में है। स्टेशन ट्रैफिक को लेकर सर्वे भी किया गया है।

लखपति दीदियों ने सफलता की कहानियाँ व उद्यमशीलता की यात्रा को किया साझा

लखपति दीदी पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला कार्यक्रम का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 'लखपति दीदी बनाने की दिशा में' विषय पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के अंतिम दिवस दिनांक 11 जुलाई 2025 को राजधानी रायपुर में प्रदेश भर की चयनित लखपति दीदियों ने अपने संघर्ष, मेहनत व आजीविका से आत्मनिर्भर बनाने की कहानियों, परिचर्चा सत्र का आयोजन हुआ। विदित हो कि उक्त कार्यशाला का शुभारंभ ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव शैलेष कुमार, सूक्ष्म व लघु उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव एस सी एल दास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया था।

तीन दिवसीय लखपति दीदी क्षेत्रीय कार्यशाला के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आई लखपति दीदियों ने अपनी सफलता की कहानियाँ और उद्यमशीलता की यात्रा सभी प्रतिभागियों के साथ साझा की। नगपुरा चंदखुरी की चंद्रकली वर्मा दीदी, जिन्हें प्रधानमंत्री द्वारा 'नमो ड्रोन दीदी' के रूप में सम्मानित किया गया है, ने बताया कि उन्होंने ग्वालियर से ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया और 2025 के लिए 800 एकड़ की बुकिंग कर ली है, जहाँ वे प्रति एकड़ 300 की दर से सेवा दे रही हैं।

आरंग की नागेश्वरी वर्मा दीदी ने बताया कि बिहान से जुड़कर उन्होंने मुर्गी पालन शुरू किया, जिससे उन्हें सालाना 1.5 लाख की आय होती है। उन्होंने बताया कि बिहान के सहयोग से वे अब आत्मनिर्भर हैं और परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहयोग कर रही हैं।

दंतेवाड़ा की निकिता मरकाम दीदी ने भी अपनी यात्रा साझा की—बिहान से जुड़कर उन्होंने किराना दुकान और सब्जी उत्पादन शुरू किया। इस वर्ष उन्हें सब्जी से 2 लाख और आम-जामुन से 1 लाख का लाभ हुआ। आज उनकी सालाना आय 3 लाख हो चुकी है और अब वे करोड़पति बनने का सपना देख रही हैं। इन सभी कहानियों ने यह संदेश दिया कि सशक्त महिला ही समृद्ध गांव की नींव है।

सत्र में मिशन संचालक श्रीमती जयश्री जैन एवं कुमार विश्वरंजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायपुर एवं राष्ट्रीय प्रबंधन इकाई नई दिल्ली के प्रतिनिधितो ने लखपति दीदी की कहानी सुन कार्यो व प्रयासों की सराहना की गई। अन्य राज्यों के प्रतिनिधि गण लगातार तालियां बजाकर लखपति दीदियों का उत्साहवर्धन करते रहे। एमीन दीदी ने बताया कैसे एक छोटी सी गुमटी से आज बिहान कैंटीन चला रही है। वर्तमान में प्रतिमाह 30 से 40 हज़ार कमा ले रही है।

आयोजन जिसमे राष्ट्रीय मिशन प्रबंधन इकाई सहित देशभर के विभिन्न राज्य यथा मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल,ओडिशा, बिहार, उत्तरखंड, तेलंगाना, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड इत्यादि राज्यो के अधिकारी व प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। इस क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन CMTC सेरीखेड़ी में आयोजित किया गया जहां मल्टी यूटिलिटी सेंटर में संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों-बेकरी, नमकीन, सिलाई, साबुन एवं मोमबत्ती, फिनायल, नर्सरी, पानी प्लांट, कैंटीन आदि का भ्रमण कर दीदियों से जानकारी लिया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के पूरे कार्यक्रम का आयोजन एवं प्रबंधन पूरी तरह से समुदाय द्वारा किया गया जिसमें स्वल्पाहार में छत्तीसगढ़ी व्यंजन, लंच, स्वागत, मंच का संचालन आदि सभी रायपुर जिले की स्व-सहायता समूहों की दीदियों के द्वारा आयोजित किया गया।

अन्य राज्यों से आए हुए अतिथियों ने अपने अनुभव साझा किए जिसमें रायपुर में संचालित CMTC एवं अधोसंरचना ,कैंपस का प्रबंधन एवं गतिविधियों की सराहना की गई एवं अपने राज्य में इस माडल को अपनाने पर अपने विचार प्रस्तुत किए । CMTC की स्थापना सितंबर 2021 में तात्कालिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं वर्तमान में रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में स्थापित किया गया है।

महादेवघाट मुक्तिधाम में जलभराव की समस्या तत्काल दूर करें-कमिश्नर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के पार्षद महेन्द्र औसर सहित जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन और स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में महादेवघाट मुक्तिधाम में बारिश के दौरान जलभराव का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और तत्काल जल निकासी करवाकर समस्या दूर करने निर्देश दिए।

जोन कमिश्नर ने वार्ड पार्षद सहित रायपुरा महादेवघाट में क्लीनलीनेस टारगेट यूनिट सीटीयू एवं लक्ष्मण झूला एवं जीव्हीपी पॉइंट का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने वार्ड 69 के पार्षद महेन्द्र औसर सहित सावन के पवित्र मास के दौरान महादेवघाट के हटकेश्वरनाथ मंदिर में दर्शन, पूजन हेतु एकत्रित होने वाली कावड़ियों की संभावित भारी भीड़ के लिए आसपास के क्षेत्र को सफाई करवाकर समस्त आवश्यक प्रबंध और व्यवस्थित तौर पर रखना पूर्व निश्चित करने का निर्देश दिया। सावन मास के दौरान रायपुरा महादेवघाट क्षेत्र के भीतर लगायी जाने वाली गुमटियों और ठेलों को हटकेश्वरनाथ मंदिर से दूर रखवाने का प्रबंध करने के निर्देश दिए है, ताकि भक्तों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गैर मूल्यांकित संपत्तियों का होगा सर्वे

रायपुर। नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम के सहायक राजस्व अधिकारियों सहित सभी 10 जोनों और निगम मुख्यालय के सम्पूर्ण राजस्व अमले की आवश्यक बैठक बुलाकर निगम राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा निगम अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, जसदेव सिंह बाबरा, आईटी विशेषज्ञ रंजीत रंजन की उपस्थिति में ली। आयुक्त विश्वदीप ने निगम राजस्व अमले से रायपुर नगर निगम क्षेत्र की सभी गैर मूल्यांकित और मूल्यांकित सम्पतियों के सर्वे के सम्बन्ध में सभी जोन सहायक राजस्व अधिकारियों से जोनवार और वार्डवार जानकारी ली।

गुरुपूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने चारों दादागुरुदेव को किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर राजधानी की जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में चारों दादागुरुदेव की छत्रछाया में हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से महापूजन किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने प्रतिष्ठाचार्य आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका गुणानुवाद किया। दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि वर्तमान खरतरगच्छ परंपरा के आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी ने देशभर में 244 जिनमंदिरों व दादाबाड़ियों की प्रतिष्ठा करवाई है और उनके सान्निध्य में 160 से अधिक आत्माओं ने जैन दीक्षा ली है। गुरुपूर्णिमा पर समर्पित भाव से पूजन और भक्ति का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर वर्धमान चोपड़ा, निर्मल पारख और सरला बैद ने गुरुभक्ति से परिपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। गुरुपूर्णिमा पर्व पर 21 जुलाई से 10 अगस्त तक दादागुरुदेव इक्तिसा जाप का आयोजन घोषित किया गया। 21 जुलाई को मूर्ति कलश और अखंड दीपक की स्थापना होगी, जिसकी विधि विमल गोलछा द्वारा सम्पन्न कराई जाएगी। पूजा समारोह में श्रीमती शैला बरड़िया, कीर्ति लोढ़ा, मधु पारख, प्रसन्न चोपड़ा, मनीष बरड़िया, ममता जैन, डॉ. योगेश बंगानी, धीरेन्द्र सेठ, संतोष झाबक, अशोक झाबक, अरुणा कोठारी, और ममता बरमट सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए। गुरुपूर्णिमा पर्व पर आयोजित यह भव्य कार्यक्रम जैन समाज की गुरुभक्ति, परंपरा और श्रद्धा का अनुपम उदाहरण बना।

अब पेट्रोल पंपों में भी स्थापित होंगे प्रदूषण जांच केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी बनाने की दिशा में परिवहन विभाग ने एक अहम पहल की है। आगामी दिनों में 56 पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केन्द्र की स्थापना की जाएगी। परिवहन विभाग के सचिव एवं परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश (भाप्रसे) तथा अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर (भापुसे) की उपस्थिति में पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केन्द्र स्थापित करने की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में एचपीसीएल ने बताया कि रायपुर स्थित सेंट्रल जेल के पास उनके पेट्रोल पंप में पीयूसी सेंटर की शुरुआत हो चुकी है और आगामी दिनों में 50 आउटलेट्स में सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य है। वहीं जियो पेट्रोलियम ने धमतरी और रायपुर के पंपों में केंद्र प्रारंभ कर दिए हैं तथा इस तिमाही में 6 नए केंद्र खोलने की योजना है। इंडियन ऑयल कंपनी ने जानकारी दी कि रायपुर-बिलासपुर मार्ग स्थित जय-जवान पेट्रोल पंप में पीयूसी सेंटर शुरू किया गया है।

परिवहन आयुक्त ने निर्देश दिए कि पीयूसी सेंटरों की उपलब्धता की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक वाहन मालिक प्रदूषण जांच करवा सकें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें। बैठक में उप परिवहन आयुक्त मनोज कुमार ध्रुव, एआरटीओ सुश्री युगेश्वरी वर्मा तथा तेल कंपनियों के प्रतिनिधि इंडियन ऑयल से विशाल राणा, एचपीसीएल से राकेश जोशी एवं नितिन श्रीवास्तव, और जियो पेट्रोलियम से शिखर श्रीवास्तव उपस्थित थे।

कृषि महाविद्यालयों के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रथम चरण की काउंसलिंग 15 जुलाई से 21 जुलाई 2025 तक चलेगी।

प्रथम चरण की काउंसलिंग में 15 जुलाई को ऑनलाईन पंजीयन करने वाले अभ्यर्थियों को पीएटी परीक्षा की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन किया जायेगा। 16 से 18 जुलाई तक कृषि महाविद्यालय रायपुर में प्रातः 8 बजे से शाम 5:30 तक दस्तावेजों का परीक्षण किया जायेगा। अभ्यर्थियों को उन्हें आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने हेतु 16 जुलाई से 19 जुलाई तक ऑनलाईन फीस जमा करना होगा। यह उल्लेखनीय है कि पीएटी

काउंसलिंग की प्रवेश प्रकिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ आयोजित की जा रही है तथा इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नही है। विश्वविद्यालय प्रशासन के संज्ञान में यह बात आई है कि कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा अभ्यर्थियों को कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश दिलाने का झांसा दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अभ्यर्थियों को आगाह किया गया है कि ऐसे असामाजिक तत्वों के झांसे में न आएं तथा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्ण पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया में बिना किसी संदेह के शामिल हों।

सीट आबंटन के पश्चात यदि अभ्यर्थी किसी कारण से सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और आगामी चरण की काउंसलिंग में भाग लेना चाहता है तो इस हेतु ऑनलाइन आवेदन करना होगा तथा ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें अभी तक कोई सीट आबंटित नहीं हुई है, उन्हें भी स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए 16 जुलाई से 19 जुलाई, 2025 तक (रात्रि 11:30 बजे) के मध्य ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यदि अभ्यर्थी सीट सुरक्षित करने के पश्चात सीट निरस्त करना चाहता है और आगे किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता है तो इस हेतु 16 जुलाई से 19 जुलाई, 2025 तक (रात्रि 11:30 बजे) के मध्य सीट निरस्त करना होगा। आबंटित एवं रिक्त सीटों की जानकारी 21 जुलाई 2025 को उपलब्ध कराई जाएगी। स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों की सूची 21 जुलाई, 2025 को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड की जाएगी। स्पॉट काउंसलिंग हेतु प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन 22 से 23 जुलाई के मध्य किया जाएगा। तत्काल दस्तावेज परीक्षण एवं ऑनलाईन फीस जमा करने हेतु 22 से 23 जुलाई को अभ्यर्थियां को कृषि महाविद्यालय, रायपुर में उपस्थित होना होगा। कन्वर्शन काउंसलिंग हेतु प्रोविजनल सीट, महाविद्यालय आबंटन, तत्काल दस्तावेज एवं ऑनलाईन फीस जमा करने हेतु अभ्यर्थियों को कृषि महाविद्यालय रायपुर में 25 जुलाई को उपस्थित होना पड़ेगा। इच्छुक अभ्यर्थी काउंसिलिंग संबंधित दिशा-निर्देशों की अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in का अवलोकन कर सकते हैं।

पचपेड़ीनाका का नाम परिवर्तन की खबर पूरी तरह भ्रामक-महापौर मीनल चौबे

रायपुर। हाल ही में कुछ माध्यमों से यह भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही है कि पचपेड़ी नाका का नाम परिवर्तित किया जा रहा है। इस संबंध में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम का पक्ष रखते हुए यह जानकारी दी है कि यह अफवाह पूर्णतः असत्य और भ्रामक है। किसी भी प्रकार के नाम परिवर्तन की प्रक्रिया न तो प्रारंभ की गई है और न ही इस पर विचार किया जा रहा है। अतः नागरिकों से अनुरोध है कि किसी भी असत्य सूचना या अफवाह पर ध्यान न दें। बता दें कि शहर में पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा होने लगी थी कि पचपेड़ीनाका का नाम गोदड़ीवाला धाम मार्ग रखा जा रहा है। लोगो ने विरोध में मोर्चा खोल दिया था यहां तक निगम के जोन आफिस पहुंचकर वे अपना विरोध स्वरूप ज्ञापन भी सौंप रहे थे और अधिकारी ज्ञापन ले भी रहे थे। अब महापौर ने जब स्पष्ट कर दिया है तो विवाद पर विराम लग जायेगा।

गुरु रंधावा के साथ काम करना मतलब एकदम कातिल तजुर्बा था: एक्ट्रेस रेवती माहुरकर

100 मिलियन व्यूज पार कर चुकी म्यूजिक वीडियो कत्ल के साथ, डेब्यूटांट रेवती माहुरकर इन दिनों फैंस और इंडस्ट्री दोनों से खूब वाहवाही बटोर रही हैं। उनकी परफॉर्मेंस को जहां रॉ इमोशन और ग्रेस के लिए सराहा जा रहा है, वहीं रेवती खुद इस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हैं कि उन्हें म्यूजिक सुपरस्टार गुरु रंधावा के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला जिसे वो अपना करियर-डिफाइनिंग मोमेंट मानती हैं।

सेट के अनुभव को याद करते हुए रेवती ने कहा, गुरु इतने सपोर्टिव और डाउन-टू-अर्थ हैं कि पहले दिन से ही ऐसा लगा जैसे किसी पुराने दोस्त के साथ शूट कर रही हूं। उनका एनर्जी और ईज के साथ परफॉर्म करना इतना इंस्पायरिंग था कि मेरी भी बेस्ट परफॉर्मेंस वहीं निकल गई!

बॉस्को मार्टिस द्वारा डायरेक्ट और वार्नर म्यूज़िक द्वारा रिलीज किया गया ये गाना एक फ्यूचरिस्टिक, डार्क डांस नंबर है जिसमें विजुअल ड्रामा और इमोशन की पूरी बारात है। रेवती ने इसमें एक मिस्ट्री भरे और बोल्ड कैरेक्टर को जिस अंदाज में निभाया है, वो वीडियो को और भी खास बना देता है।

थिएटर और डांस की दुनिया से निकलकर ये रेवती की डिजिटल दुनिया में बड़ी छलांग है और इसके लिए वो गुरु रंधावा और पूरी टीम को क्रेडिट देती हैं: इन लोगों ने इस पूरे सफर को इतना स्मूद और क्रिएटिवली मजेदार बना दिया कि लगा ही नहीं मैं न्यूकमर हूं!

मुझे टाइपकास्ट होने का डर नहीं : कविता बनर्जी

अभिनेत्री कविता बनर्जी, जो इस समय टीवी शो दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी में कर्ण मोहिनी के रूप में नजर आ रही हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें विलेन के रूप में टाइपकास्ट होने का डर नहीं है।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें विलेन का रोल अदा करना काफी चुनौतीपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने भारतीय टीवी को देखा है, तो आप जानते होंगे कि एक्टर्स को कितनी जल्दी एक खास इमेज दे दी जाती है। अगर आप दो शो में लगातार विलेन का रोल निभा चुके हैं, तो लोग आपको विलेन एक्टर कहने लगते हैं।

कविता ने कहा कि अगर आप पॉजिटिव से निगेटिव रोल में जाते हैं, तो यह टैग इतना नहीं लगता। लेकिन अगर आप अपने करियर की शुरुआत नेगेटिव किरदारों से करते हैं, तो लोग आपको एक विलेन एक्टर कहने लगते हैं।

अभिनेत्री ने शो में अपने किरदार पर बात करते हुए बताया कि उनका कर्ण मोहिनी सिर्फ एक सामान्य विलेन का रोल नहीं है, वह एक बड़ा, भव्य और शक्तिशाली किरदार है।

एक खास इमेज में बंधने के बारे में पूछे जाने पर कविता ने कहा, मुझे टाइपकास्ट होने का डर नहीं है। सच कहूं तो, नॉर्मल पॉजिटिव रोल निभाने की तुलना में विलेन का रोल निभाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। वहीं, असल जिंदगी में, मैं एक खुशमिजाज और बिंदास इंसान हूं और मुझे ऐसे रहना पसंद है। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-अलग तरह के किरदारों को करना पसंद है। उनके लिए एक्टिंग का मतलब ही उन चीजों को करना है जो वह असल जिंदगी में नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए खुद को सही मायने में चुनौतियों से भरे एक्टिंग का मौका देने की तरह है।

बनर्जी ने बताया कि उन्हें ज्यादातर नेगेटिव रोल ही मिले हैं, और उन्हें इससे कोई दिक्कत भी नहीं है। हालांकि, अगर कोई उन्हें पॉजीटिव रोल दे तो वह उसके लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं पॉजिटिव रोल को भी आजमाना पसंद करूंगी। मैं अलग-अलग तरह के रोल भी करना चाहती हूं, और मुझे यकीन है कि मुझे इसमें मजा आएगा। एक एक्टर होने का असली मजा यही है कि हर तरह के किरदार निभाने को मिलें।

द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का ऐलान, करण जौहर ने फिर संभाली मेजबानी की कुर्सी

जाने-माने निर्देशक और फिल्म निर्माता करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर यह शो OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है। द ट्रेटर्स की सफलता के बीच अब निर्माताओं ने इस शो के दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है। द ट्रेटर्स 2 की मेजबानी करण ही करेंगे। इस शो का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर द ट्रेटर्स 2 का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हम इस खबर को और नहीं छिपा सकते थे। नया सीजन, जल्द आ रहा है। द ट्रेटर्स 2 का काम फिलहाल पोस्ट प्रोडक्शन में है और जल्द ही इस शो की शूटिंग शुरू होने वाली है। हालांकि, अभी तक इस शो के प्रतियोगियों के नाम सामने नहीं आए हैं।

वामिका गब्बी ने कराया हॉट फोटोशूट, इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो, फैंस बोले -आग!

वामिका गब्बी ने सोशल मीडिया पर अपना नया बोल्ड फोटोशूट वीडियो शेयर कर फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। लेवेंडर कलर की स्टाइलिश ड्रेस में वामिका बेहद ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए वामिका ने सिर्फ एक पिंक हार्ट इमोजी कैप्शन में लिखा, लेकिन फैंस ने कमेंट सेक्शन को फायर इमोजीज़ और तारीफों से भर दिया है। तमन्ना भाटिया से लेकर कई फैन्स ने वामिका के इस हॉट अवतार की जमकर तारीफ की है। किसी ने उन्हें 'स्टनिंग' कहा तो किसी ने 'गॉर्जियस' लिखकर दिल का हाल बयां किया। वीडियो पर कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो उनके पॉपुलैरिटी को साफ तौर पर दिखाते हैं।

वामिका गब्बी का ये फोटोशूट साबित करता है कि वह सिर्फ बेहतरीन अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं। उनका ये किलर कॉन्फिडेंस और स्टाइल सेंस फैंस को दीवाना बना देता है। सोशल मीडिया पर उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनके इस ग्लैमरस अवतार को खूब पसंद कर रहे हैं।

वामिका गब्बी का ये लेटेस्ट वीडियो उनके स्टाइलिश और बेबाक अंदाज़ की शानदार मिसाल है। हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने दिखा दिया कि कैसे सादगी और बोल्डनेस का परफेक्ट बैलेंस बनाया जाता है। वामिका के फैंस अब बेसब्री से उनके अगले प्रोजेक्ट्स और नए लुक्स का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया सेंसेशन भी हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने पिंक ड्रेस में ढाया कहर, इंस्टाग्राम पर शेयर की हॉट तस्वीरें

भोजपुरी और टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। आकांक्षा ने पिंक कलर की खूबसूरत लेस ड्रेस पहनकर अपनी कुछ हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें उनका बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखते ही बनता है।

एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा, गुलाबी रंग के हर टांके में रोमांस। फोटोज में आकांक्षा का कॉन्फिडेंट पोज, सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल और मिनिमल मेकअप उनके लुक को और भी एलिगेंट बना रहा है। पिंक ड्रेस के साथ मैचिंग नेल पॉलिश और ओपन हेयर ने भी उनके ग्लैम लुक में चार चांद लगा दिए हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी की बारिश कर रहे हैं।

कुछ ही घंटों में इन तस्वीरों को हजारों लाइक्स मिल चुके हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें फैंटास्टिक, ब्यूटीफुल और स्टनिंग बताते हुए तारीफों के पुल बांधे हैं। आकांक्षा पुरी का यह लेटेस्ट फोटोशूट एक बार फिर साबित करता है कि वह सिर्फ एक शानदार एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि एक फैशन दीवा भी हैं, जिनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है।

आकांक्षा पुरी का ये अंदाज यह भी दिखाता है कि वह अपने फैशन सेंस से हर बार फैंस को सरप्राइज करना जानती हैं। उनके हर लुक में एक खास कॉन्फिडेंस और स्टाइल नजर आता है, जो उन्हें बाकी से अलग बनाता है और यही वजह है कि उनकी हर तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो जाती है।

विग्नेश राजा की फिल्म से अभिनेता धनुष की पहली झलक आई सामने, शुरू हो गई शूटिंग

अभिनेता धनुष को पिछली बार फिल्म कुबेर में देखा गया था, जिसमें उन्होंने एक भिखारी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में धनुष के काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। आने वाले समय में धनुष कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आएंगे। इन्हीं में एक निर्देशक विग्नेश राजा की फिल्म भी है, जिसका अस्थायी नाम फिलहाल डी54 रखा गया है। अब डी54 से धनुष की पहली झलक सामने आ गई है।

सामने आए पोस्टर में धनुष का धांसू अवतार दिख रहा है। निर्माताओं ने लिखा, कभी-कभी खतरनाक बने रहना ही जीवित रहने का एकमात्र तरीका होता है।

धनुष ने पोर थोझिल फेम विग्नेश राजा द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में ममिथा बैजू मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जयराम, केएस रविकुमार, सूरज वेंजरामूडु, करुणास और पृथ्वी पंडिराज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

जीवी प्रकाश कुमार इस फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं, जबकि डॉ. ईशारी के. गणेश द्वारा वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले थिंक स्टूडियोज के सहयोग से निर्मित इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा धनुष के पास फिल्म इडली कढ़ाई है, जो 1 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। धनुष फिल्म तेरे इश्क में में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान आनंद एल राय ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी है।

घर पर खुद से करें थ्रेडिंग, जानिए इसके लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां और प्रक्रिया

आमतौर पर महिलाएं थ्रेडिंग के लिए ब्यूटी पार्लर जाती हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि इसे आप घर पर खुद से भी कर सकती हैं। इसके लिए आपको केवल कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करने होंगे। थ्रेडिंग से न केवल आपकी आइब्रो को सही आकार देती हैं, बल्कि यह प्रक्रिया कम समय लेती है और इससे दर्द भी कम होता है। आइए आज हम आपको थ्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां और इसे करने की प्रक्रिया बताते हैं।

थ्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां

थ्रेडिंग के लिए आपको एक पतला और मजबूत धागा चाहिए। इसके अलावा आपको एक पेंसिल, बर्फ का टुकड़ा, बेबी पाउडर, एलोवेरा जेल और काजल की जरूरत पड़ेगी। पेंसिल से अपनी आइब्रो का आकार बनाएं, बर्फ का टुकड़ा से त्वचा को ठंडा करें, बेबी पाउडर लगाएं ताकि दर्द कम हो, एलोवेरा जेल लगाकर आंखों को ठंडक मिलेगी। इसलिए ये सामान अपने पास जरूर रखें।

थ्रेडिंग करने से पहले त्वचा को करें ठंडा

थ्रेडिंग करने से पहले अपनी त्वचा को ठंडा करना जरूरी है। इसके लिए आप बर्फ का टुकड़ा का इस्तेमाल कर सकते हैं। बर्फ का टुकड़ा को अपनी आइब्रो पर कुछ सेकंड के लिए रखें। यह प्रक्रिया त्वचा को आराम देती है और दर्द को कम करती है। इससे त्वचा की संवेदनशीलता भी कम होती है, जिससे थ्रेडिंग के दौरान आपको कम दर्द होगा। इसके अलावा यह त्वचा को ताजगी भी महसूस कराता है।

बेबी पाउडर लगाएं

बेबी पाउडर लगाने से आपकी त्वचा की सतह मुलायम हो जाती है, जिससे बाल आसानी से निकल जाते हैं। इसके लिए थोड़े से बेबी पाउडर को अपनी आइब्रो पर हल्के हाथों से लगाएं। इससे बालों को निकालना आसान हो जाएगा और दर्द भी कम होगा। बेबी पाउडर लगाने से त्वचा की संवेदनशीलता भी कम होती है, जिससे थ्रेडिंग के दौरान आपको कम दर्द होगा। यह प्रक्रिया त्वचा को आराम देती है और उसे ताजगी भी महसूस कराती है।

धागे को सही तरीके से बांधना सीखें

धागे को सही तरीके से बांधना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए आपको दो धागों को एक साथ बांधकर एक लूप बनाना होगा। इस लूप को अपनी उंगलियों के बीच घुमाते हुए दोनों हाथों की मदद से थ्रेडिंग करनी होती है। ध्यान रखें कि धागा बहुत कसा हुआ नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे दर्द होगा और त्वचा पर चोट लग सकती है। थोड़ी प्रैक्टिस के बाद आप इसे आसानी से कर पाएंगे।

एलोवेरा जेल लगाएं

थ्रेडिंग के बाद एलोवेरा जेल लगाना बहुत फायदेमंद होता है। यह जेल त्वचा को ठंडक देता है और सूजन कम करता है। इसके अलावा यह त्वचा को नमी देता है और रूखेपन से बचाता है। एलोवेरा जेल में ऐसे गुण होते हैं, जो त्वचा को आराम पहुंचाते हैं। इसके नियमित उपयोग से त्वचा की नमी बनी रहती है और वह मुलायम महसूस होती है। इससे थ्रेडिंग के बाद की जलन भी कम होती है।

हर 3 महीने में अपना टूथब्रश जरूर बदलें, वरना आपकी सेहत को हो सकता है खतरा

स्वस्थ रहने के लिए ओरल हेल्थ का अहम रोल होता है। इसके लिए मुंह को अंदर से साफ रखना बेहद जरूरी है। हम जो खाना खाते हैं वो मुंह के जरिए पेट में जाता है। लेकिन हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो तीन महीने से ज्यादा समय तक एक ही ब्रश से दांत साफ करते हैं। इससे हमारे शरीर में कई बीमारियां घर कर सकती हैं और हमें पता भी नहीं चलता। इसलिए सबसे पहले आपको नियमित रूप से अपना ब्रश बदलने की जरूरत है। ब्रश को साफ रखना भी जरूरी है। आप हर तीन महीने में अपना ब्रश बदलकर और अच्छी क्वालिटी का ब्रश इस्तेमाल करके ओरल हेल्थ को बरकरार रख सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दिन में दो बार ब्रश करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। आइए इस खबर के जरिए जानते हैं आपको कितनी बार अपना टूथब्रश बदलना चाहिए और इसका इस्तेमाल कैसे करना चाहिए।

ओरल हेल्थ पूरे शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जब हमारे दांत और मसूड़े स्वस्थ होते हैं, तभी हम भोजन को ठीक से चबा सकते हैं, स्पष्ट बोल सकते हैं और आत्मविश्वास से मुस्कुरा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ओरल हाइजीन को नजरअंदाज करने से दांतों में सड़न, मसूड़ों की बीमारी और सांसों की बदबू जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक एक ही टूथब्रश का इस्तेमाल करने से न सिर्फ मुस्कान की खूबसूरती कम होती है, बल्कि विशेषज्ञों का कहना है कि खराब ओरल हाइजीन से दिल की बीमारी भी हो सकती है।

हर तीन महीने में: विशेषज्ञों का कहना है कि टूथब्रश के मामले में आपको तीन महीने का नियम अपनाना चाहिए। इसका मतलब यह है कि ब्रश चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, उसे हर तीन महीने में बदल देना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तीन महीने के बाद ब्रश काम करना बंद कर देता है। इसके ब्रिसल्स भी खराब हो जाते हैं। इसका मतलब यह है कि आप इन टूथब्रश से चाहे जितनी बार भी ब्रश करें, आपके दांत साफ नहीं होंगे और दांतों की समस्या पैदा होगी। इसके अलावा, घिसा हुआ टूथब्रश दांतों की सफाई में कम प्रभावी होता है। एक अध्ययन के अनुसार, अपने टूथब्रश को हर तीन से चार महीने में बदलना जरूरी है या जैसे ही ब्रश के ब्रिसल्स खराब हो जाएं।

टूथब्रश पर माइक्रोऑर्गेनिज्म: विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही ब्रश अच्छी स्थिति में हो, लेकिन कुछ दिनों के बाद यह समाइक्रोऑर्गेनिज्म का घर बन सकता है। इसके अलावा, हम में से ज्यादातर लोग अपने ब्रश को सिंक और बाथरूम के पास रखते हैं, जिससे टूथब्रश पर सूक्ष्मजीव जमा हो सकते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि इससे हार्ट डिजीज, गठिया और स्ट्रोक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती। इसलिए, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि उन्हें नियमित रूप से बदलना जरूरी है।

क्या आप भी ऐसे ही ब्रश करते हैं? कई लोग अपने दांतों को ब्रश करते समय सोचते हुए या जोर-जोर से ब्रश करते हैं। जिसकी वजह से कुछ दिनों बाद दांत फीके दिखने लगते हैं। क्या आप भी ऐसे ही ब्रश करते हैं? ऐसा करना कई परेशानियों को न्योता देने जैसा है। साथ ही इससे दांत ठीक से साफ भी नहीं होते। इसलिए हमेशा जिगजैग और स्लो मोशन में ब्रश करना अच्छा रहता है।

इंफेक्शन का खतरा: विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपको सर्दी, बुखार या खांसी जैसी कोई संक्रामक बीमारी है, तो आपको इसके ठीक होने के बाद अपना टूथब्रश बदल देना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि संक्रामक बीमारियों के कारण बैक्टीरिया और वायरस आपके टूथब्रश पर कुछ दिनों तक रह सकते हैं। इससे दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, विशेषज्ञों की राय है कि किसी भी संक्रामक बीमारी के तुरंत बाद अपना टूथब्रश बदलना जरूरी है।

अपने दांतों को कैसे ब्रश करें? मौखिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए, मेयो क्लिनिक के विशेषज्ञ सुबह उठने से पहले और रात को सोने से पहले कम से कम दो मिनट तक फ्लोराइड टूथपेस्ट से अपने दांतों को ब्रश करने की सलाह देते हैं। ब्रश को 45 डिग्री के कोण पर पकड़ें और दांतों की सतह और मसूड़ों के पास हल्के गोलाकार गति में ब्रश करें। बहुत जोर से ब्रश करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है। विशेषज्ञ हर 3-4 महीने में अपना टूथब्रश बदलने की भी सलाह देते हैं

सूचना आयोग को दस्तावेजी साक्ष्य के साथ जनसूचना अधिकारी जवाब प्रस्तुत करें

आयोग को पत्राचार करते समय प्रकरण क्रमांक, वर्ष और सुनवाई की तिथि का स्पष्ट उल्लेख करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य सूचना आयोग ने सभी लोकप्राधिकारियों (कार्यालय प्रमुखों) को निर्देशित किया है कि अपने अधीनस्थ तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों को निर्देशित करें कि राज्य सूचना आयोग के द्वारा द्वितीय अपील की सुनवाई के लिए प्रेषित नोटिस का जवाब प्रथम सूचना पत्र प्राप्ति के पश्चात 30 दिवस के भीतर कंडिकावार मय दस्तावेज के साथ जवाब प्रस्तुत कर पंजीकृत डाक से राज्य सूचना आयोग को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। जवाब प्रस्तुत करते समय तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी का नाम पदनाम का स्पष्ट उल्लेख करें। उन्होंने यह भी कहा है कि तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों का नाम पदनाम, कार्यावधि तथा वर्तमान पदस्थापना स्थल की जानकारी आयोग को देना सुनिश्चित करें।

राज्य सूचना आयोग ने कहा है कि तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों के द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई के लिए प्रेषित नोटिस का जवाब तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों से प्राप्त नहीं होने के कारण प्रकरण की सुनवाई में अनावश्यक विलंब होता है। साथ ही तत्कालीन जनसूचना अधिकारी वर्तमान जनसूचना अधिकारियों सुनवाई में प्रकरण से संबंधित समस्त अभिलेख एवं नस्ती के साथ उपस्थित रहें, यदि अपरिहार्य कारण से तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी आयोग के द्वितीय अपील की नियत तिथि को सुनवाई में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में अपने ऐसे प्रतिनिधि को सुनवाई के लिए भेजा जाए जिनको प्रकरण के संबंध में संपूर्ण जानकारी हो एवं संपूर्ण दस्तावेज और जानकारी के साथ आयोग के समक्ष सुनवाई के अवसर पर सूचना आयोग के द्वारा चाही गई जवाब प्रस्तुत कर सके। आयोग ने कहा कि आयोग की सुनवाई में तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी के द्वारा प्रतिनिधि के रूप में प्राधिकार पत्र मान्य किया जाएगा और उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब को तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारी का जवाब माना जाएगा। प्राधिकार पत्र के अभाव में प्रतिनिधि की उपस्थिति मान्य नहीं की जाएगी।

राज्य सूचना आयोग ने सभी तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयोग अपीलार्थी से पत्राचार करते समय प्रकरण क्रमांक, वर्ष और सुनवाई की तिथि के साथ-साथ अपना नाम, पदनाम, पदस्थापना स्थल का स्पष्ट उल्लेख करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि आयोग के समक्ष सुनवाई के पूर्व तत्कालीन जनसूचना अधिकारी/वर्तमान जनसूचना अधिकारियों से पंजीकृत डाक से नियमानुसार प्रतिउत्तर प्राप्त नहीं होने पर एवं उक्त निर्देश का पालन नहीं होने की स्थिति में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20 (1) एवं धारा 20 (2) के तहत और शासन के द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार अर्थदण्ड एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

अग्निशमन विभाग और इंडियन नेवी ने निकाली भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के छात्र नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर केंद्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत 1387 छात्रों को लाभ मिलेगा। जिन छात्रों ने इस वर्ष स्नातक में प्रवेश लिया है और जिन्होंने 80 परसेंटाइल या न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, वे 31 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इसके लिए आपको पोर्टल पर जरूरी जानकारी मिल जाएगी, जैसे कि आवेदन कैसे करना है, इसके लिए नियम क्या हैं और बाकी सवालों के जवाब। अग्निशमन विभाग में 295 पदों पर भर्ती छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग में स्टेशन ऑफिसर, फायरमैन, ड्राइवर, मैकेनिक, ऑपरेटर आदि के 295 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक उम्मीदवार 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। फायरमैन के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं, स्टेशन ऑफिसर के लिए बीएससी या बीई तथा अन्य पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं।

इंडियन नेवी में 1110 पदों पर भर्ती: भारतीय नौसेना ने नेवल सिविलियन ग्रुप बी और ग्रुप सी के 1110 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। योग्य उम्मीदवार 18 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। पदों के अनुसार शैक्षणिक योग्यता में नर्सिंग डिग्री, फार्मेसी डिप्लोमा, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी या 10वीं के साथ संबंधित डिप्लोमा/डिग्री मांगी गई है।

रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में एमएससी केमिस्ट्री की 13 पेमेंट सीटें खाली हैं। इनमें प्रवेश के लिए 11 जुलाई को दस्तावेज़ सत्यापन और काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। वे छात्र जो प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए हैं, उपस्थित हो सकते हैं।

डायलिसिस सेवा बनी जीवनदायिनी, मरीजों को मिली बड़ी राहत

नि :शुल्क उपचार से किडनी मरीजों को मिल रहा संबल, अब तक 1478 सेशन सफल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलरामपुर जिले में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत शुरू की गई नि:शुल्क डायलिसिस सेवा ने किडनी रोगियों के लिए राहत का नया द्वार खोल दिया है। जिला अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनों के माध्यम से अब मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही सुलभ, सहज और नि:शुल्क उपचार मिल रहा है।

जिला अस्पताल में फिलहाल तीन डायलिसिस मशीनें संचालित हो रही हैं, जिनसे प्रतिदिन 5 से 6 मरीजों का उपचार दो शिफ्टों में किया जा रहा है। अब तक लगभग 35 मरीजों को 1478 डायलिसिस सेशन का लाभ मिल चुका है। यह सेवा पूरी तरह नि:शुल्क है और इसे विशेष रूप से प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा संचालित किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों, विशेषकर गरीब और पिछड़े तबके के लिए यह सुविधा वरदान साबित हो रही है। ग्राम कोटसरी निवासी धनेश ने बताया, पहले हर सप्ताह अंबिकापुर जाकर डायलिसिस करानी पड़ती थी। अब बलरामपुर में ही इलाज संभव हो पाया है, जिससे न केवल खर्च बचा है बल्कि सफर की परेशानी भी खत्म हो गई है।

मरीजों का कहना है कि निजी अस्पतालों में डायलिसिस सत्र की कीमत 1000 से 2000 रुपये तक होती है, जिससे निम्न आयवर्ग के परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता था। इस कारण कई बार इलाज बीच में छोड़ना पड़ता था। वहीं अब जिला अस्पताल में उपलब्ध यह नि:शुल्क सेवा उन्हें निरंतर और सुरक्षित उपचार का अवसर दे रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि भविष्य में डायलिसिस मशीनों की संख्या और स्टाफक्षमता बढ़ाने की योजना है, ताकि अधिक मरीजों को समय पर लाभ दिया जा सके। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के प्रत्येक जरूरतमंद मरीज को नि:शुल्क डायलिसिस सेवा उपलब्ध कराना है।

शिक्षक ऐसा पढ़ाएं जिसे विद्यार्थी जीवन भर याद रखें : राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका ने बिलासपुर के कोटा स्थित डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय में नवाचार एवं स्टार्टअप पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्राध्यापक ऐसा पढ़ाएं की विद्यार्थी जीवन भर याद रखें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में प्राध्यापक और छात्रों के बीच बेहतर ताल-मेल पर बल दिया साथ ही शैक्षणिक वातावरण पर ध्यान देने कहा। श्री डेका ने प्रशासनिक विभाग एवं विभागाध्यक्षों की बैठक भी ली तथा अध्ययन प्रभाग मे पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए नए कोर्स प्रारंभ करने एवं छात्र संख्या में वृद्धि करने हेतु आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान सभी प्राध्यापकों से कहा कि आदर्श शिक्षक वही होता है, जिस विद्यार्थी जीवन भर याद रखें। उनके पढ़ाई पाठ को हमेशा याद रखें और उनके बताएं आदर्श को अपने जीवन में उतारे। उन्होंने कहा कि हमें आदर्श शिक्षक बनना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को पूरी तरह से जल्द ही लागू किया जाए। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने एवं उनके प्लेसमेंट की जानकारी लेते हुए संतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा स्थापित इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में जानकारी ली । उन्होंने इनक्यूबेशन सेंटर में लगाए गए उपकरणों और युवाओं को उद्यमिता के लिए दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में भी विस्तार से जाना। उन्होंने बताया कि आज के समय में युवा उद्यमियों की आवश्यकता है, तभी हम विकसित भारत 2047 की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने लैब, लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की खेल सुविधा के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने उन्हें अकादमिक जानकारी प्रदान की।

निरीक्षण के दौरान राज्यपाल की अवर सचिव अर्चना पाण्डेय,संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुल सचिव डॉ अरविंद तिवारी ने विश्वविद्यालय के प्रशासन के बारे में उन्हें अवगत कराया। इस दौरान उन्हें विश्वविद्यालय की विशेषताओं छत्तीसगढ़ी संजोही, छत्तीसगढ़ शोध एवं सृजन पीठ, रेडियो रामन 90.4, इनक्यूबेशन सेंटर, भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, रवींद्रनाथ टैगोर अंतरराष्ट्रीय कला एवं संस्कृति केंद्र, सहित अन्य विशिष्ट केदो की जानकारी दी गई। राज्यपाल को पुस्तक यात्रा ऑटोमेटेड लाइब्रेरी पौधारोपण आदि की जानकारी भी प्रदान की गई।

दिव्यांग दीपेश्वर को मिली तत्काल ट्राईसिकल, अब जिंदगी होगी आसान

रायपुर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान का केंद्र बन गया है। इसी कड़ी में बागबहार तहसील अंतर्गत ग्राम मयूरनाचा निवासी दीपेश्वर पिता गणेश पैंकरा उम्र 28 वर्ष को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से त्वरित राहत मिली। दीपेश्वर जन्म से ही चलने-फिरने में असमर्थ थी, जिससे उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। दीपेश्वर ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया पहुंचकर अपनी परेशानी अधिकारियों के समक्ष रखी। उनकी स्थिति को देखते हुए, अधिकारियों ने तत्काल संज्ञान लिया और ट्राई सायकल उपलब्ध कराई। ट्राई सायकल प्राप्त होते ही दीपेश्वर के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया और कहा कि अब वे अपने कामकाज के लिए स्वतंत्र रूप से आ जा सकेंगी।

कलेक्टर ने ली बाढ़ राहत आपदा के संबंध में विशेष बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बाढ़ राहत आपदा के संबंध में जिला स्तरीय बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जिले में बारिश के मद्देनजर निर्मित हो रहे बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला स्तरीय अधिकारियों को बचाव एवं राहत तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी यशपाल सिंग, सीईओ जिला पंचायत भारती चंद्राकर उपस्थित रही।

कलेक्टर प्रजापति ने सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को जिले में बारिश के कारण नदी के किनारे, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं बारिश से अवरुद्ध होने वाले नालों, मार्गों की जानकारी लेते हुए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों का पूर्व से चिन्हांकन सुनिश्चित करें, साथ ही कोटवारों के माध्यम से बाढ़ एवं जलभराव क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से मुनादी करवाने के निर्देश दिए, ताकि जनधन की हानि से बचाया जा सके। इस दौरान उन्होंने सभी एसडीएम को सूचना प्रदान करने ग्रामवार नोडल बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रजापति ने निर्देशित किया कि सभी ग्राम में राहत शिविर हेतु शासकीय भवन, स्कूल जैसे केंद्र का चिन्हांकन का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करें।

कलेक्टर प्रजापति ने सीएमएचओ को जल जनित बीमारियों के रोकथाम हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढग्रस्त एवं प्रभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य शिविर लगाए। साथ ही गर्भवती महिलाओं की मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुचाने की सुविधा सुनिश्चित करें। उन्होंने डेंगू, मलेरिया के संबंध में भी विशेष दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सीएमएचओ ने संसाधनों एवं तैयारियों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि रैपिड टीम बनाया गया, जिसके माध्यम से त्वरित स्वास्थ्य सुविधा संबंधित क्षेत्रों में पहुंचाया जा सके। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों एवं मितानिनों को पर्याप्त मात्रा में दवाइयां उपलब्ध करायी गई हैं। उन्होंने महिला बाल विकास विभाग के भवनों की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जर्जर भवनों में बच्चे न बैठाते हुए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें, इसी प्रकार उन्होंने आदिवासी विकास एवं स्कूल शिक्षा विभाग को भी निर्देशित किया। साथ ही स्कूल, छात्रावास एवं आश्रमों में बच्चों को पानी उबाल कर प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों के स्कूलों के आस पास नदी नाले है, उनमें बच्चों के आवाजाही पर विशेष ध्यान रखें। इस दौरान उन्होंने मातृत्व एवं शिशु सुपोषण पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग से जलाशयों के जल भराव की स्थिति की जानकारी लेते हुए, कंट्रोल रूम बनाने संबंधी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिन क्षेत्रों में निर्माणाधीन मार्ग एवं पुल के कारण असुविधा निर्मित हो रही है, उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश एनएच एवं सेतु को दिए। एसपी यशपाल सिंह ने बाढ़ एवं राहत हेतु सूचना तंत्र मजबूत करने के निर्देश दिए, ताकि समय रखते राहत पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन की ओर हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। बैठक में एसडीएम मोहला हेमेन्द्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर अमित नाथ योगी, डिप्टी कलेक्टर दुकालू राम ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा की दृष्टि से जिले में करें टीम तैनात

कलेक्टर प्रजापति ने जिले में बाढ़ स्थिति को देखते हुए नगर सेना से आवश्यक संसाधन एवं तैयारी के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने नगर सेना को निर्देशित किया कि गठित टीम से एक टीम जिला मुख्यालय में तैनात करें, ताकि अप्रिय घटना होने की स्थिति में सम्बंधित क्षेत्र में तत्काल राहत टीम भेजा जा सकें। इसके साथ ही उन्होंने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के तैराक युवाओं को ट्रेनिंग प्रदान करने कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

पटवारी करें शासकीय उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने खाद्य विभाग से राशन भंडारण एवं वितरण की जानकारी ली। खाद्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि शत प्रतिशत चावल भंडारण किया जा चुका है, एवं वितरण का कार्य किया जा रहा है। जिस पर कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि आगामी तीन माह का राशन वितरण किया जा रहा है, सभी पटवारी अपने क्षेत्र के शासकीय उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण कर सुचारू वितरण पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

स्वच्छता के साथ युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार के अवसर

मोहला। कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत भारती चंद्राकर के मार्गदर्शन में विकासखंड मोहला अंतर्गत ग्राम पंचायत रेंगाकठेरा, गोटाटोला एवं मचांदुर में शौचालय युक्त व्यावसायिक परिसर का निर्माण किया गया है। व्यावसायिक परिसरों में सुविधाओं से युक्त शौचालयों के निर्माण से स्वच्छता के साथ स्वरोजगार के सशक्त केंद्र के रूप में भी विकसित हुआ है। इन परिसरों में स्थानीय युवाओं को संचालन की जिम्मेदारी सौंपकर उन्हें आय सृजन का अवसर प्रदान किया गया है। सीईओ जनपद पंचायत मोहला डॉ. प्रांजल प्रजापति ने बताया कि यह पहल स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत न केवल खुले में शौच को समाप्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा है, बल्कि ग्रामीण युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। व्यावसायिक परिसरों में ग्राम के युवा बेरोजगार को स्वरोजगार की दिशा में बढ़ाते हुए सीएससी सेंटर का संचालन हेतु ग्राम पंचायत मचांदुर द्वारा व्यावसायिक परिसर का आवंटन किया गया है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कोरबा के स्कूल में गैंगवार, छात्र की हालत नाजुक

कोरबा। जिले में स्कूली छात्रों के बीच गैंगवार हुआ है। इस गैंगवार में एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं इस वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी छात्र फरार हो गया है। पुलिस की टीम आरोपी के तलाश में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला मानिकपुर चौकी के दादर माध्यमिक शाला का है। यहां एक साथ पढ़ने वाले दो छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद एक छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से हमला कर दिया। इस हमले में छात्र के गले और चेहरे पर चोट आई है। घायल छात्र को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घायल छात्र का इलाज अस्पताल में जारी है। वहीं दूसरी तरफ स्कूल प्रबंधन को इस गैंगवार के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस की टीम आरोपी छात्र की तलाश में जुटी हुई है।

कवर्धा में सेक्स रैकेट का खुलासा 2 महिलाएं गिरफ्तार

कवर्धा। जिले की पुलिस ने देह व्यापार के गोरख धंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की टीम ने देह व्यापार में संलिप्त दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाएं गांव में ही रहकर देह व्यापार कर रही थी। लोगों की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला कवर्धा जिले के भिंभौरी गांव की है। यहां रहने वाली दो महिलाएं गांव में ही देह व्यापार का गोरख धंधा चला रही थी। महिलाओं की हरकत से परेशान ग्रामीणों ने लोहारा पुलिस में इस बात की शिकायत की। ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में कहा कि, दोनों महिलाएं गांव में ही देह व्यापार करती है और दोनों मिल के गांव का माहौल ख़राब कर रही है। ग्रामीणों द्वारा मिली शिकायत के बाद पुलिस की टीम गांव पहुंची और देह व्यापार करने वाली दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर थाने ले आई है। पुलिस की टीम ने दोनों महिलाओं के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस की टीम दोनों महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

दिव्यांग युवक ने किया खुदकुशी

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक शख्स की फांसी के फंदे पर लटकी हुई लाश मिली है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने शव को बरामद कर मर्चुरी के लिए भिजवा दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, उरला थाना क्षेत्र के अछोली इलाके में दृष्टिहीन शख्स की संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर लिया। शव को मर्चुरी में रखा गया है। आज पोस्टमार्टम होगा। मामले में पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

तालाब में गिरी महिला, मौत

राजनांदगांव। गोटाटोला थाना क्षेत्र के सोमाटोला में 35 वर्षीय महिला की तालाब में डूबने से मौत हो गई। महिला मानसिक रुप से बीमार थी, जो पति के साथ देसी दवाई लेने के लिए पास के ही गांव पहुंची थी। पुलिस ने बताया कि डोंगरगांव माथडबरी में रहने वाली 35 वर्षीय निर्मला निषाद अपने पति के साथ इलाज कराने सोमाटोला के पास मौजूद एक गांव गई थी। जहां दोनों ने साथ सब्जी खरीदा। इसके बाद निर्मला हाथ पैर धोने के लिए तालाब में गई। इसी दौरान वह फिसलकर तालाब में गिर गई। पति ने जब तक उसे बचाने का प्रयास किया महिला तालाब में डूब चुकी थी।

जामुल थाना क्षेत्र में गर्भवती महिला के पेट पर मारी लात गर्भ में पल रहे शिशु की हो गई मौत, 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में गाली गलौज करने से मना करने पर पड़ोसी ने महिला और उसकी बेटियो के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान पड़ोसी ने महिला की गर्भवती बेटी के पेट पर लात मारी जिससे गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई। पुलिस ने अब इस मामले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

यह मामला जामुल थाना क्षेत्र के राजीव नगर का है। घटना 1 अक्तूबर 2023 की है। शराब के नशे में समरजीत प्रार्थिया के घर के सामने खड़ा होकर गाली गलौज कर रहा था। जिसे प्रार्थिया और उसकी बेटिया ने गाली गलौज करने से मना करने पर पड़ोस में रहने वाले समरजीत उसका भाई अमरजीत और उसके दोनो बेटे आकाश और विकास पहुंचे और सभी ने मिलकर प्रार्थिया महिला और उसकी बेटियो के साथ मारपीट करने लगे।

इस दौरान प्रार्थियां की बड़ी बेटी सोनमती 2 माह गर्भवती थी। मारपीट के दौरान आरोपी अमरजीत ने सोनमती पेट पर लात मारकर घायल कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने सोनमती को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरी परीक्षण और क्यूरी करने पर गर्भ में नवजात की मौत की पुष्टि की गई। पुलिस ने इस मामले में 4 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर इस मामले संलिप्त आरोपी समरजीत रजक,अमरजीत रजक,आकाश रजक और विकास रजक को गिरफ्तार कर 11 जुलाई 2025 को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया।

भगवान के घर जाना है कहती थी वृद्धा, ट्रेन के सामने कूदकर दे दी जान

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र की रहने वाली एक वृद्धा ने शुक्रवार को ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त सत्यम चौक शांति नगर भिलाई-3 निवासी काशी बाई पटवा पति स्व जगतराम (73) के रूप में की। परिजनों ने बताया कि वह अक्सर बुदबुदाती थी कि भगवान के घर जाना है। मामले में भिलाई-3 पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार सिरसा रेलवे अण्डरब्रिज के पास पुराने क्रासिंग वाली जगह में डाउन लाइन पर सुबह होने से पहले लगभग साढ़े तीन बजे काशी बाई पटवा नामक बुजुर्ग महिला ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। परिजनों के हवाले से पुलिस ने बताया कि महिला कुछ दिनों से मानसिक रुप से परेशान थी और बुदबुदाते हुए कहती थी कि उसे भगवान के घर जाना है। वह पौ फटने से काफी पहले लगभग तीन बजे घर से निकलकर गायब हो गई थी। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने रेल पटरी पर लाश देखी। खबर फैलते ही परिजनों ने पहुंचकर मृतका की पहचान काशी बाई पटवा के रूप में की। इधर ट्रेन ड्राइवर की सूचना पर आरपीएफ मौके पर पहुंची। बाद में घटना स्थल की सीमा के आधार पर भिलाई-3 पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को मरच्यूरी भिजवाया। परिजनों के आग्रह पर 12 जुलाई को पोस्ट मार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव को सौंपा जाएगा।

सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, गरियाबंद और सुकमा के जंगलों में नक्सली डंप बरामद

गरियाबंद/सुकमा (ए.)। भारी बारिश के बीच भी छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की सघन सर्चिंग और ऑपरेशन लगातार जारी है। इसी क्रम में गरियाबंद के मैनपुर-जुगाड़ और सुकमा के कोंटा क्षेत्र में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने जंगल में नक्सलियों द्वारा गाड़कर छिपाई गई विस्फोटक और दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की है। तीन जगहों पर नक्सली डंप बरामद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर गरियाबंद पुलिस, कोबरा 207 और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम मैनपुर व जुगाड़ थाना क्षेत्र के जंगलों में गश्त और सर्चिंग अभियान पर रवाना हुई थी।

इंदागांव क्षेत्र के जंगलों में अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा गाड़कर छिपाया गया राशन और दैनिक उपयोगी सामान तीन अलग-अलग स्थानों पर मिला है। इससे साफ है कि माओवादी इन क्षेत्रों में अब भी सक्रिय हैं और ठिकाने बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सुकमा में विस्फोटक सामग्री जब्त वहीं दूसरी ओर सुकमा जिले के कोंटा ब्लॉक के पीलावाया के जंगलों में DRG और CRPF की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए कोडेक्स वायर, डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक सामग्री को बरामद किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने इस बरामदगी की पुष्टि की है। इससे यह अंदेशा भी लगाया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़े हमले की तैयारी में थे, जिसे समय रहते विफल कर दिया गया। नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील गरियाबंद पुलिस ने एक बार फिर माओवादियों से समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण नीति के तहत माओवादी नजदीकी थाना, चौकी, कैंप या मोबाइल नंबर 94792-27805 पर संपर्क कर आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

धमतरी पुलिस ने पशु तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले की भखारा थाना पुलिस ने पशु तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कियसा है तथा उनके कब्जे से 8 नग गौवंश और एक टाटा एस वाहन बरामद किया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम एवं कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना भखारा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग एक छोटा हाथी टाटा एस वाहन में अवैध रूप से गौवंश का परिवहन कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी भखारा के नेतृत्व में टीम द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई, जहाँ वाहन क्रमांक सीजी-04 क्यू बी-0446 में कुल 08 नग गौवंश, जिनमें 06 गाय, 01 छोटा बछड़ा एवं 01 बड़ा बछड़ा थे को बिना चारा-पानी के, क्रूरता पूर्वक भूखे-प्यासे हालत में ठूंस-ठूंसकर परिवहन करते हुए पकड़ा गया। पुछताछ करने पर आरोपियों ने अपना नाम ऋषि कुमार मारकण्डेय पिता नरेन्द्र मारकण्डेय उम्र 20 वर्ष, यश कुमार जोशी पिता सुन्दरलाल जोशी उम्र 19 वर्ष तथा अमन कुमार जोशी पिता गणित राम जोशी उम्र 21 वर्ष, सभी निवासी ग्राम थुहा, थाना कुरूद, जिला धमतरी (छत्तीसगढ़) बताए। वाहन के संबंध में किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए।

इस पर मौके पर ही वाहन तथा 08 नग गौवंश को गवाहों के समक्ष विधिवत रूप से जप्त किया गया। जप्त किए गए सभी पशुओं का पशु चिकित्सक अधिकारी भखारा द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराकर गौशाला सिलीडीह में सुरक्षित रखा गया है। आरोपियों का यह कृत्य छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 04, 06, 10 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(घ) के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर थाना भखारा में अपराध क्रमांक 76/25 पंजीबद्ध किया गया। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर 11 जुलाई को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

खरोरा के मशरूम फैक्ट्री में बंधुआ मजदूरी का मामला उजागर, 97 मजदूरों को कराया गया रेस्क्यू, संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर से सटे खरोरा क्षेत्र में स्थित एक मशरूम फैक्ट्री में उत्तर प्रदेश से लाए गए 97 मजदूरों को बंधुआ बनाकर रखने का मामला सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई ग्राम सिलतराई में स्थित मशरूम फैक्ट्री को लेकर की गई है, जहां मजदूरों से मारपीट कर, वेतन न देकर काम करवाया जा रहा था।

बिना वेतन और मारपीट, फैक्ट्री में अमानवीय स्थिति मिली जानकारी के अनुसार, संचालक विपिन तिवारी, विकास तिवारी और नितेश तिवारी (सभी मूल निवासी ङ्क मछलीशहर, जिला जौनपुर, उत्तर प्रदेश) द्वारा मजदूरों को घरेलू कामकाज के बहाने जौनपुर व आसपास के गांवों से लाकर छत्तीसगढ़ में फैक्ट्री में बंधुआ की तरह रखकर काम कराया जा रहा था। कई मजदूरों ने आरोप लगाया है कि उन्हें न वेतन दिया गया, न छुट्टी, और विरोध करने पर मारपीट की जाती थी।

भाटागांव बस स्टैंड से मिली थी मजदूरों की जानकारी कुछ मजदूर भागकर किसी तरह भाटागांव बस स्टैंड पहुंचे, जहां तूफान पांडे और मिश्रा नामक दो व्यक्तियों ने उनकी मदद की और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद श्रम विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की टीम फैक्ट्री पहुंची और बाकी मजदूरों को रेस्क्यू किया। सभी मजदूरों को सुरक्षित उनके गांव भेजा गया गुरुवार रात सभी मजदूरों को रायपुर लाया गया, जहां उन्हें इंडोर स्टेडियम में अस्थायी रूप से ठहराया गया। उनके भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की गई। बाद में उन्हें गोंदिया-बरौनी ट्रेन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया गया।

संचालकों पर दर्ज होगा मामला फैक्ट्री के संचालकों विपिन, विकास और नितेश तिवारी के खिलाफ बंधुआ मजदूरी, मारपीट और मानव तस्करी जैसे गंभीर आरोपों के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जौनपुर जिला प्रशासन को भी मामले की सूचना दे दी गई है। बचपन बचाओ आंदोलन से जुड़े विपिन ठाकुर ने बताया कि सभी मजदूर भयभीत थे और किसी भी कीमत पर अपने गांव लौटना चाहते थे। उनकी इच्छा अनुसार सभी को रवाना कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मजदूरों की शिकायत रवि खिलाड़ी और अन्य लोगों द्वारा एसएसपी जौनपुर के नाम पहले ही की जा चुकी थी, जिसमें उक्त तीनों संचालकों पर ठगी और बंधुआ मजदूरी के गंभीर आरोप लगाए गए थे।

गरियाबंद पुलिस की कार्रवाई, गांजा के साथ एक तस्कर हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना छुरा पुलिस और स्पेशल टीम गरियाबंद की संयुक्त कार्रवाई में 8 किलो 411 ग्राम मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए पुलिस की सख्ती रंग ला रही है।

टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के निर्देशन में गठित स्पेशल टीम और थाना छुरा पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध गांजा लेकर तस्करी के इरादे से कहीं जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा और तलाशी लेने पर उसके पास से 8 किलो 411 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह यह गांजा कहां से लेकर आया था और कहां सप्लाई करने वाला था।

गर्भवती पत्नी की गला दबाकर हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम छतौद में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी सात माह की गर्भवती पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। निजी विवाद के चलते हुई इस वारदात में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी पति प्रदुम निर्मलकर (24) को गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका सूरूज का विवाह एक साल पूर्व प्रदुम निर्मलकर से हुआ था और वह अपने पति के साथ संयुक्त परिवार में ग्राम छतौद में रह रही थी। 10 जुलाई 2025 को सूरूज के भाई रोहा राम रजक को प्रदुम ने फोन कर बताया कि उसकी बहन की तबीयत गंभीर है। जब वह परिवार सहित मौके पर पहुंचा तो सूरूज की लाश जमीन पर पड़ी हुई थी। शुरुआत में मामला मर्ग कायम कर जांच में लिया गया, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत और उसकी प्रकृति को हत्यात्मक बताया गया। इस पर थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 293/25 धारा 103(1) BNS के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि प्रदुम और सूरूज के बीच पहले भी कई बार घरेलू विवाद हो चुके थे और समाजिक स्तर पर सुलह-समझौता कराया गया था। घटना की रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद प्रदुम ने सूरूज का मुंह, नाक और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह एवं एएसपी ग्रामीण कीर्तन राठौर, एएसपी क्राइम संदीप मित्तल, सीएसपी विधानसभा वीरेन्द्र चतुर्वेदी के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की तह तक पहुंची।

गिरफ्तार आरोपी में प्रदुम निर्मलकर, पिता श्यामलाल निर्मलकर, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम छतौद, थाना तिल्दा नेवरा, जिला रायपुर शामिल हैं। संपूर्ण कार्रवाई में अधिकारी निरीक्षक रमाकांत तिवारी (थाना प्रभारी, तिल्दा नेवरा) प्रभारी निरीक्षक परेश कुमार पांडेय, एंटी क्राइम यूनिट। सउनि गेंदूराम नवरंग, प्र.आर. कृपासिंधु पटेल, संतोष वर्मा, धनंजय गोस्वामी, अमित घृतलहरे, प्रकाश नारायण पात्रे, संजय मरकाम। उनि विकास देशमुख, सउनि शंकर लाल वर्मा, प्र.आर. जालम सिंह साहू, आर. दीपक सेन, कुलदीपक वर्मा, म.आर. पूजा वर्मा शामिल हैं।

धमतरी की सोनम ने अपने प्रेमी के हाथों करवाई पति की हत्या

कोण्डागांव (ए.)। धमतरी की सोनम ने अपने प्रेमी के हाथों अपने पति को मरवा दिया। लेकिन इस मोबाइल युग में डिजीटल फुटप्रिंट को मिल ही जाता है, लिहाजा पुलिस को पति को मरवाने वाली महिला और उसके प्रेमी को धरदबोचने में ज्यादा दिन नहीं लगे।

पुलिस के अनुसार, 30 जून को ग्राम मगेदा के जंगल में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना पर थाना माकड़ी में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। शव के पास से मिली अस्पताल पर्ची से मृतक की पहचान हुई। जांच में सामने आया कि मृतक धर्मवीर की पत्नी रवीना नागरची का विजय विदेश मरकाम नाम के शख्स के साथ अवैध संबंध है। पुलिस ने इसके बाद मोबाइल टावर डेटा और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर विजय विदेश मरकाम को कोण्डागांव बस स्टैंड से पकड़ा। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि 27 जून को विजय तमिलनाडु के धरमपुरी अस्पताल से धर्मवीर को इलाज के बहाने लेकर निकला था। रास्ते में शराब पिलाते हुए उसे ओडिशा के रायघर होते हुए मगेदा के जंगल में ले गया, जहां क्रिकेट बैट से उसके सिर पर वार कर हत्या की दी। शव की पहचान छिपाने के लिए लाश को पेट्रोल डालकर जलाने की भी कोशिश की गई, लेकिन बारिश के कारण शव नहीं जल पाया। मामले में आरोपी ओडिशा के जिला नवरंगपुर निवासी विजय विदेश मरकाम (30 वर्ष), ग्राम कंडेतरा, थाना कुदई और, हाल निवासी ग्राम कुकरेल, थाना केरेगांव, जिला धमतरी।रवीना गागरची उर्फ नागरची (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया है।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I **RIKHI RAM BELCHANDAN s/o SHYAM LAL BELCHANDAN** resident of **H.No. -243 Street No. -02, Ward No.-13, Near Adarsh Electrical sirsa Road Kohka, Bhilai, Tah & Dist Durg C.G.-490023** have changed my old name **RIKHEE RAM BELCHANDAN s/o SHYAM LAL BELCHANDAN** so in future should be recognized by my new name that is **RIKHI RAM BELCHANDAN s/o SHYAM LAL BELCHANDAN** in all Government and other documents.

RIKHI RAM BELCHANDAN
ADD:- H.No. -243 Street No. -02, Ward No.-13, Near Adarsh Electrical sirsa Road Kohka, Bhilai, Tah & Dist Durg C.G.-490023

पुरानी गाड़ी का फैंसी नंबर नई गाड़ी में कर सकेंगे इस्तेमाल, सीएम साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम-1994 के नियम, 55 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत वाहन स्वामी अपने पुराने वाहन के फैंसी या च्वाइस नंबर को नए या किसी अन्य राज्य से लाए गए उसी श्रेणी के वाहन में उपयोग कर सकेंगे, इसके लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करना होगा। यदि पुराना नंबर सामान्य नंबर था तो छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम 1994 के नियम 55(2)(ग) के अनुसार आवश्यक शुल्क भरने के बाद इसका उपयोग संभव होगा।

मंत्री परिषद् ने यह स्पष्ट किया कि यह सुविधा केवल नए वाहन के पंजीयन या अन्य राज्य से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर आए वाहनों पर लागू होगी, पहले से राज्य में पंजीकृत वाहनों पर नहीं। शासकीय वाहनों के लिए भी यह सुविधा मिलेगी, इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। इसेक अलावा मंत्रिपरिषद द्वारा पुराने वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम-1991 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उचित प्रबंधन हेतु अर्हकारी सेवा अवधि पूर्ण कर चुके वर्ष 2005, 2006, 2007, 2008 तथा 2009 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान किये जाने हेतु 30 सांख्येतर पद निर्मित कर वरिष्ठ प्रवर श्रेणी वेतनमान प्रदान करने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ कृषि उपज मण्डी (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप पर अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय अधिनियम, 2004 में संशोधन विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा जनजातीय समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवा, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों के संस्थागत विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के मध्य एक गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को मंजूरी प्रदान की गई।

इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों को संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त एवं विकसित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी का ज्वाइंट वेंचर वंचित समुदायों के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना, अनुसूचित जाति उपयोजना आदि के अप्रयुक्त फंड का अभिसरण कर आजीविका एवं सामाजिक आर्थिक बदलाव के लिए कार्य करेगा।

कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य पैन आईआईटी द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कौशल के साथ फॉरेन लैग्वेज सिखाने का कार्य किया जाएगा। पैन आईआईटी द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए जिला प्रशासन एवं विभागों द्वारा आवश्यक शासकीय भवनों का पहचान किया जाएगा एवं उसे ज्वाइंट वेन्चर कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। पैनआईआईटी, आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई सोसायटी है जो राज्य सरकारों के साथ गैर लाभकारी संयुक्त उपक्रम बनाकर, राष्ट्रनिर्माण मिशन, व्यवसायिक, आजीविका शिक्षा व्यवस्था एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वंचित समुदायों के आय में सुधार लाने का कार्य करती है।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद ने राज्य के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार के जरिए सशक्त बनाने के लिए छात्र स्टार्ट-अप और नवाचार नीति लागू करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस नीति का उद्देश्य छात्र-केंद्रित नवाचार और इन्क्यूबेशन सिस्टम बनाना, साथ ही बौद्धिक संपदा जागरूकता बढ़ाना है। जनजातीय क्षेत्रों में नवाचार केंद्र स्थापित करना और कृषि, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य व विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर खास ध्यान देना भी इस नीति के प्रमुख उद्देश्य हैं। इस नीति का लक्ष्य है राज्य के 100 तकनीकी संस्थानों के 50 हजार छात्रों तक पहुंच बनाना, 500 प्रोटोटाइप्स का समर्थन करना, 500 बौद्धिक संपदा अधिकार फाइल करना और 150 स्टार्टअप्स को इन्क्यूबेट करना। इससे युवाओं को नई सोच और तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे नक्शा बंटवारे और अभिलेखों के अद्यतनीकरण में सहूलियत होगी अवैध प्लाटिंग पर रोक लगेगी, जियो-रेफरेंस मैप से भविष्य में कानूनी विवाद कम होंगे। नामांतरण की प्रक्रिया आसान होगी। भूमि धारक की मृत्यु पर संयुक्त खाताधारकों और वारिसों को नामांतरण में सहूलियत होगी। भवन या भूखंड का हस्तांतरण भूमि के अनुपात में हो सकेगा। औद्योगिक नीति, आवास योजना और नगरीय विकास की प्रक्रियाएं सरल होंगी। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के छोटे और मध्यम व्यापारियों को प्रोत्साहित करने तथा न्यायालयों में लंबित कर संबंधी मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया है।

राजधानी क्षेत्र के विकास के लिए बनेगा प्राधिकरण

मंत्रिपरिषद द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र के विकास के लिए संबंधित प्राधिकरण की स्थापना हेतु विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। रायपुर, दुर्ग-भिलाई और नया रायपुर अटल नगर में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरीकरण को देखते हुए इस क्षेत्र के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए यह प्राधिकरण कार्य करेगा। यह प्राधिकरण राजधानी क्षेत्र के लिए योजना बनाना, निवेश को बढ़ावा देना, विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के बीच समन्वय तथा शहर के विस्तार को सही ढंग से नियंत्रित करने का काम करेगा। 2031 तक इस क्षेत्र में लगभग 50 लाख लोग रहने की संभावना है, इसलिए भूमि का प्रभावी उपयोग और पर्यावरण की रक्षा करते हुए शहरी विकास सुनिश्चित करना जरूरी है। इस तरह राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों को बेहतर, सतत और सुव्यवस्थित बनाने में मदद करेगा। छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे अंतर्राज्यीय लेनदेन में इनपुट सेवा वितरक के नियम और अधिक प्रभावी तथा केंद्र सरकार के वित्त अधिनियम, 2025 के संशोधनों के अनुरूप यह होगा।

युक्तियुक्तकरण से शैक्षणिक माहौल हुआ बेहतर सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। राज्य शासन के दिशा निर्देशों के तहत नारायणपुर जिले में अतिशेष शिक्षको के काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के साथ ही जिले के दुर्गम एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों में शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को नए शिक्षक मिल गए, वहीं इन क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को भी गुणवत्तायुक्त शिक्षा की गारण्टी सुनिश्चित हो गई है। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई काउंसिलिंग प्रक्रिया के पश्चात् नारायणपुर और ओरछा विकासखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों के अनेक विद्यालयों के बच्चों को सीधा लाभ मिल रहा है।

जिले के 15 शिक्षकविहीन विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मुरूमवाड़ा, प्राथमिक शाला जड्डा, धोबिनपारा, हिरंगई, ईकरभट्टी, तोयामेटा, गट्टाकाल, कस्तुरमेटा, मोहनार, गुमियाबेड़ा, ताड़ोबेड़ा, नेलांगुर, पुसालामा और पदमेटा जैसे दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में अब पर्याप्त शिक्षक युक्तियुक्तकरण से पदस्थ किया गया है।

शासन के दिशा निर्देशों के तहत जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षको की काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। लगातार दो दिनों तक चले इस प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अतिशेष शिक्षकों को शिक्षकविहीन विद्यालय और शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ किया गया है। सर्वप्रथम माध्यमिक शाला में अतिशेष प्रधानपाठकों और सहायक शिक्षको की काउंसलिंग 03 जून को की गई। जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद ने जानकारी दी है कि नारायणपुर जिले में 132 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। हायर सेकेंडरी स्कूल में व्याख्याता 01, पूर्व माध्यमिक शाला में शिक्षक 49, प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक 10, प्राथमिक शाला में 72 सहायक शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। जिले में 14 प्राथमिक शाला शिक्षक विहीन थे, जिसमें शिक्षकों का नई पदस्थापना की गई है। प्राथमिक शाला एकल शिक्षक 108 और माध्यमिक शाला एकल शिक्षक 05 में भी शिक्षकों की नई पदस्थापना करने से शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में अब पर्याप्त शिक्षक पदस्थ किया गया है। उच्च प्राथमिक शाला जबगुण्डा, थुलथुली, रोहताड़, गोमागाल, कोंगे, आदेर, तोयनार, रेकावाया, लंका, जाटलूर, काकावाड़ा, छोटेटोण्डाबेड़ा, दुटाखार, पुंगारपाल, गारपा, पुसवालपारा, हितवाड़ा, कोडोनार, कन्या आश्रम शाला डुंगा, नेलांगुर, बालक आश्रम टाहकावाड़ा, प्राथमिक शाला आलवाड़ा, घोट और मरकाबेड़ा में शिक्षकों की कमी को युक्तियुक्तकरण के तहत् शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। नए शिक्षा सत्र 2025 से जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति के साथ स्कूल प्रारंभ हो गया है।

ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति से शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के सकारात्मक प्रभाव अब सुदूर ग्रामीण अंचलों में भी स्पष्ट रूप से नजर आने लगे हैं। सुकमा विकासखंड के शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना से जहां शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है, वहीं विद्यार्थियों की उपस्थिति भी बढ़ी है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुखराम देवांगन ने जानकारी दी कि सुकमा में कुल 246 शासकीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें 181 प्राथमिक, 65 माध्यमिक, 13 हाई स्कूल और 7 हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल हैं। युक्तियुक्तकरण से पूर्व 1 विद्यालय पूर्णतः शिक्षकविहीन था जबकि 42 विद्यालय एकल शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे थे। शासन द्वारा की गई पारदर्शी युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के चलते इन विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित पदस्थापना सुनिश्चित हुई है। सुकमा कलेक्टर देवेश ध्रुव ने बताया कि अब विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या संतुलित हो गई है, जिससे विद्यार्थियों को सभी विषयों की नियमित शिक्षा और मार्गदर्शन मिल रहा है। इसका प्रत्यक्ष लाभ छात्रों की उपस्थिति और प्रदर्शन में देखने को मिल रहा है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि महाविद्यालय रायपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (छात्रा इकाई) द्वारा आज सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की प्रेरणादायक उपस्थिति और मार्गदर्शन ने छात्रों को न केवल जानकारी प्रदान की, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय रायपुर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय शर्मा थे, जिनके साथ डॉ. प्रशांत शुक्ला, टिकेलाल भोई एवं सहदेव वर्मा ने भी अपने विचार साझा किए।

अधिकारियों ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों, ट्रैफिक जागरूकता, हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग, एवं डिजिटल ट्रैफिक सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। सभी वक्ताओं ने एक सुर में यह संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुबुही निषाद ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, शिक्षकों और छात्राओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा,सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

नाम के अनुरूप विश्वविद्यालय प्रगति करें-राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका ने अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति एवं शैक्षणिक स्टाफसे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी के नाम के अनुरूप विश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में नाम रोशन करते हुए आगे बढ़े।

राज्यपाल ने कहा कि सहायक प्राध्यापकों को समय पर प्रमोशन देने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रोफेसर के पद पर दस साल का अनुभव होने के बाद छत्तीसगढ़ के प्रोफेसरों को कुलपति बनने का अवसर मिल सके। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्राध्यापक और छात्रों के बीच बेहतर ताल-मेल पर बल दिया साथ ही शैक्षणिक वातावरण पर ध्यान देने कहा।

राज्यपाल डेका ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का निरीक्षण किया एवं विभागों की कार्यप्रणाली तथा स्टाफ से संबंधित जानकारी ली। श्री डेका विद्यार्थियों से भी मिले और उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर कुलपति को निराकरण के निर्देश दिए। श्री डेका ने प्रशासनिक विभाग एवं विभागाध्यक्षों की बैठक भी ली तथा अध्ययन प्रभाग मे पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए नए कोर्स प्रारंभ करने एवं छात्र संख्या में वृद्धि करने हेतु आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने तथा प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की संरचना के अनुरूप अध्ययन, अध्यापन की सुविधा सुनिश्चित की जाए तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पालन करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी कुलपति प्रोफेसर अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी, राज्यपाल की अवर सचिव श्रीमती अर्चना पाण्डेय एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए सतत् मॉनिटरिंग के निर्देश के पारिपालन में राज्यपाल श्री डेका छत्तीसगढ़ के समस्त विश्वविद्यालयों का औचक निरीक्षण कर रहे है।

बिजली दरें संतुलित, ग्रामीण-आदिवासी, सभी के लिए हितकारी तथा विकासपरक

लागत 7.02 रू. जबकि न्यूनतम घरेलू दर मात्र 4.10 रू., औसतन घरेलू दर में मात्र 10 से 20 पैसे तक वृद्धि, गत वर्ष की तुलना में 1.89 प्रतिशत नाममात्र वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा आज छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनी लिमिटेड तथा छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु विद्युत दरों का अनुमोदन किया गया। वितरण कंपनी के एमडी भीमसिंह कंवर ने बताया कि समेकित रूप से विद्युत दर में विगत वर्ष की तुलना में मात्र 1.89 प्रतिशत की वृद्धि की गई है जो नगण्य है।

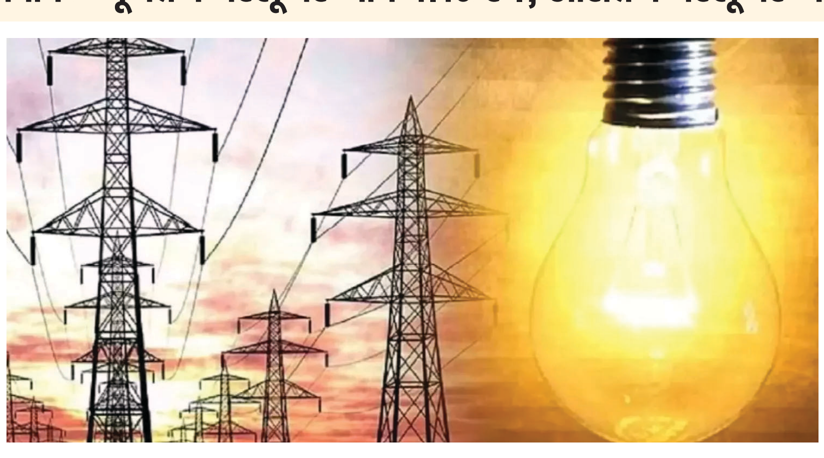

कृषि उपभोक्ताओं के लिए कुछ मदों में दर वृद्धि की गई है जिसका भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जाता है, अतः इससे कृषि उपभोक्ताओं को किसी भी तरह का अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा। इसके अलावा अस्थायी कनेक्शनों, आदिवासी अंचलों, मुरमुरा-पोहा उद्योगों, प्रिंटिंग प्रेस आदि के लिए रियायतें बढ़ाई गई है या यथावत् रखी गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी को विद्युत की लागत 7 रू. 2 पैसे पड़ती है जबकि घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 4 रू. 10 पैसे की दर से विद्युत आपूर्ति की जाती है। नई विद्युत दरों की कुछ विशेषताओं को उल्लेखित किया गया है। निम्न मध्यम वर्ग के घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 10 पैसे प्रति यूनिट एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। गौशाला, शासन द्वारा अधिसूचित बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में आने वाले स्टे-होम्स में प्रयुक्त होने वाली विद्युत पर घरेलू विद्युत दर लागू करने हेतु घरेलू उपभोक्ता श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। घरेलू उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है।

राज्य शासन द्वारा अधिसूचित वाम चरमपंथी प्रभावित जिलों में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु मोबाईल टॉवर की स्थापना को प्रोत्साहित करने हेतु इन क्षेत्रों में आने वाले सभी मोबाईल टॉवरों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। कृषि पंपों के विद्युत देयकों का भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जाता है, अतः यह भार राज्य शासन स्वयं वहन करेगा। गैर घरेलू उपभोक्ताओं की विद्युत दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है एवं इसी श्रेणी के अंतर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर भी नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है। गैर सबसिडी वाले कृषि विद्युत पंप वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। किसानों को खेतों में लगे विद्युत पम्पों और खेतों की रखवाली के प्रयोजनार्थ पम्प कनेक्शन के अंतर्गत वर्तमान में पम्प के समीप 100 वॉट के भार उपयोग की सुविधा प्रभावशील है। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा 100 वॉट तक लाईट एवं पंखे की स्वीकृति जारी रखी गई है।

पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए निम्न दाब इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग इकाईयों हेतु इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफको औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात् रू.7.02 प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात् रू. 6.32 प्रति केव्हीएएच निर्धारित किया गया है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि नियामक आयोग द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु पंजीकृत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित उद्योग संबंधी गतिविधियों और व्यवसायिक गतिविधियों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट जारी रखी गई है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए प्रचलित विद्युत दरों के ऊर्जा प्रभार में दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है। पोहा एवं मुरमुरा मिल को ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। अग्रिम भुगतान करने वाले सभी उपभोक्ताओं को दी जाने वाली 0.50 प्रतिशत छूट को बढ़ाकर 1.25 प्रतिशत किया गया है। आफसेट प्रिन्टर्स एवं प्रिंटिंग प्रेस उपभोक्ताओं को गैर घरेलू से हटाकर औद्योगिक श्रेणी में सम्मिलित किया गया है जो कि पहले की अपेक्षा कम है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950